हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, गुरुवार, 15 मई 2025

11 आरपीएस ने सीबीएसई 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा...

12 यदुवंशी नारनौल ने रचा सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में...

खबर संक्षेप

नारनौल। गोवंश के लिए हरे चारे की सवामणी लगाते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

गोवंश के लिए लगाई हरे चारे की सवामणी

नारनौल। गोसेवा मंडल के सानिध्य में मंडल के उपप्रधान सुभाष शर्मा व उनकी पत्नी लक्ष्मी शर्मा ने शादी की 50वीं सालगिरह श्री अनाथ गोशाला नारनौल में गोमाता को हरी सब्जी खिलाकर मनाई। प्रधान सतपाल यादव ने बताया कि मंडल की ओर से चलाई गई एक छोटी सी मुहिम ने आज करीब तीन साल में 879वीं सवामणी की है। मंडल सचिव रमेश यादव ने बताया कि सभी सदस्य लोगों को हरा चारा या दान के लिए प्रेरित करते है। मंडल संस्थापक मुकेश वालिया व राजेश यादव ने बताया कि गोमाता में सभी देवता विद्यमान होते हैं। गजेंद्र यादव ने बताया कि गोमाता की सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं है। मौके पर सतपाल यादव, रमेश यादव, राजेश यादव, मनीष , गजेंद्र नंबरदार, दलीप यादव, पुरुषोत्तम कौशिक, मुकेश वालिया, आकाश यादव, अमित शर्मा मौजूद रहे।

टीबी मरीजों को पोष्टिक आहार किट वितरित की

कनीना। पोष्टिक आहार युक्त किट प्रदान करती नपा चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढा व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

कनीना। जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से संचालित किए जा रहे टीबी उन्मूलन अभियान में नगर पालिका की चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढा अहम भूमिका निभा रही हैं। उनकी ओर से दो मरीजों को गोद लिया हुआ है। स्वास्थ्य विभाग से डॉट्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं। डॉ. रिंपी लोढा ने बताया कि उपायुक्त डॉ. विवेक भारती, रेडक्रॉस सचिव बलवान सिंह व जिला कोऑर्डिनेटर शोभा शर्मा के दिशानिर्देशन में टीबी उन्मूलन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बुधवार को गोद लिए गए दो टीबी रोगियों को प्रोटीन युक्त व पोष्टिक आहार वाले राशन किट वितरित किए गए। मौके पर उप नागरिक अस्पताल से पवन कुमार, युद्धवीर, कमलेश, राजकुमारी, अशोक उपस्थित थे।

जमीनी विवादः मारपीट करने पर केस दर्ज

कनीना। गांव बागोत में हुए जमीनी विवाद में पुलिस ने एक पक्ष के छह लोगों के खिलाफ मारपीट करने के आरोप में केस दर्ज किया है। रामपाल ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पोता रोड पर अपने खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहा था, तो उसका भाई बालूराम, धनराज, वेदप्रकाश, संदीप व मंदीप, अनीता डंडे लेकर ट्रैक्टर पर सवार होकर पहुंचे तथा उनके ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। वह उतर कर भागने लगा तो उन्होंने डंडो से मारपीट की। सूचना मिलने पर राजपाल ने उसे सीएचसी सेहलंग में दाखिल कराया। चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार कर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।

बिजली समस्याओं को लेकर सौंपेंगे ज्ञापन

मंडी अटेली। बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर 15 मई को बिजली उपमंडल अधिकारी कार्यालय अटेली मण्डी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा की अटेली ब्लॉक इकाई का गठन भी किया जाएगा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खरब ने कहा कि बिजली एक जनसेवा है। बिजली जैसी आवश्यक सेवा जिसके बिना कल्पना नहीं कर सकते। बिजली के निजीकरण व स्मार्ट मीटर स्कीम लोगों के हित में नहीं है।

फोरेस्ट विभाग ने करोड़ों खर्च करके छह साल में 6.76 लाख पौधे लगाए, 50 फीसदी पौधे खनन माफिया व मौसम की मार से हुए नष्ट

- बजरी खनन माफिया ने पांच किमी लंबी कृष्णावती नदी का बदल दिया स्वरूप
- 10 हजार से अधिक पेड़ों को नुकसान प्रदूषण बढ़ने से बढ़ने लगी बीमारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। अरावली जोन में अवैध खनन व पेड़ों की कटाई पर अंकुश लगाते विभागीय अधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

नांगल चौधरी के विभिन्न गांवों में बीते छह साल के दौरान 6.76 लाख पौधे लगाए हैं, लेकिन खनन माफिया व विपरीत मौसम की मार से करीबन तीन लाख पौधे पेड़ बनने से पहले ही नष्ट हो गए। सबसे ज्यादा नुकसान मुफ्त बांटे गए पौधों का हुआ है। इसके अलावा कृष्णावती नदी में हुए बजरी खनन ने पूरी जंगलात को खत्म कर दिया। जिससे विभाग को करोड़ों का नुकसान होने के साथ पर्यावरण बचाओ मुहिम को झटका लगा है। दूसरी तरफ माइनिंग व अन्य औद्योगिक इकाइयों के चलते वायु की गुणवत्ता निरंतर खराब हो रही है। लोगों के स्वास्थ्य को खतरा उत्पन्न हो गया है।

55 फीसदी पौधों को जीवित रखना अनिवार्य

पौधारोपण के बाद तीन साल तक अधिग्रहित रकबा फोरेस्ट विभाग के आधीन रहता है। रकबे पर जितने पौधे लगाए थे, पहले साल 65 फीसदी पौधों का जीवित रखना जरूरी है। दूसरे साल 60 तथा तीसरे साल 55 फीसदी पौधों को ग्रोथ की स्थिति में रखना होगा। तीन साल के बाद पौधे को सर्दी व पशुओं से खतरा नहीं रहता, इसलिए पंचायतों के सुपुर्द करने की हिदायत है।

जुर्माने व केस दर्ज करने का प्रावधान

आपको बता दें कि साल पौधारोपण तथा बड़े पेड़ों की सुरक्षा करने की हिदायत है। फोरेस्ट विभाग को पौध तैयार करने तथा स्वयं व पंचायती मलकियत पर रोपण करने के निर्देश हैं। पौधारोपण में परेशानी नहीं रहे तथा पौधों की उपलब्धता के लिए विभाग को जिम्मेवारी सौंप दी गई। इसके साथ ही विभाग को पौधों की देखरेख, सिंचाई करनी होगी। पेड़ों की अवैध कटाई पर अंकुश लगाने के लिए रेंज स्तर पर गार्डों की नियुक्ति कर रखी है। भवन, सड़क या अन्य कोई रुकावट होने पर विभागीय अनुमति लेकर ही पेड़ों की कटाई कर सकेंगे, नियमों की अनदेखी करने पर जुर्माने व केस दर्ज करने का प्रावधान है। बावजूद हरे पेड़ों की अवैध कटाई पर अंकुश नहीं लगा पाया है। इसकी पुष्टि विभागीय आंकड़े और धरातलीय स्थिति से होती है, क्योंकि 2019 में 125 एकड़ रकबे पर पौधरोपण किया था। 2020 में 160 एकड़, 2021 में 180 एकड़, 2022 में 125 एकड़ तथा 2023 में 75 एकड़ पर विभिन्न किस्म के पौधे लगाए गए थे। 2024 में करीब 42 एकड़ रकबे पर विभिन्न किस्म के पौधे लगाए गए हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार बीते छह साल में करीब 707 एकड़ रकबे पर हरियाली हो जानी चाहिए थी, लेकिन धरातलीय स्थिति का विभागीय आंकड़ों से तालमेल नहीं, क्योंकि नांगल चौधरी निजामपुर ब्लॉक में कहीं भी लंबा चौड़ा वन क्षेत्र नहीं रहा। ऐसे में सरकार की हरियाली बढ़ाओ योजना, बजट और प्रयास नकारा साबित हो रहे हैं।

कृष्णावती नदी की हरियाली शत प्रतिशत खत्म

शहबाजपुर, दोस्तपुर, भेड़टी, नोलायजा, नांगल कालिया के ग्रामीणों ने बताया कि 1999-2000 तक कृष्णवती नदी हरियाली से भरपूर थी। इसके बाद विभाग ने शहबाजपुर नदी को बजरी खनन के लिए लीज पर छोड़ दी। इसके साथ माफिया ने दोस्तपुर, दताल, भेडंटी की नदी में भी बजरी निकाल ली। खनन के दौरान 10 हजार से अधिक हरे पेड़ों को काट दिया गया। वर्तमान में पूरी कृष्णावती नदी वीरान स्थिति में है। जहां विभिन्न प्रजाति के पक्षी व पशु विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गए।

पेड़ बनने से पहले ही 25 फीसदी पौधे हो जाते हैं नष्ट

फोरेस्ट विभाग के रेंज अधिकारी रजनीश यादव ने बताया कि नांगल चौधरी रेंज में जून-जूलाई महीने में पौधगिरी, एक पौधा मां के नाम, सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाओं को मुफ्त में बांटे गए थे। जिनकी देखरेख की जिम्मेवारी संबंधित संस्था या व्यक्ति की बनती है। उन्होंने बताया कि 34520 पौधों की प्लांटेशन विभाग ने की है। जिनमें 25 फीसदी पौधे बाल्य अवस्था में ही नष्ट हो गए। हरे पेड़ों की कटाई पर अंकुश लगा हुआ है। उन्होंने पंचायतों से भी हरियाली बढ़ाने में सहयोग मांगा है।

पौधारोपण और कटाई की अनुमति का विवरण

साल	पौधरोपण	काटने की अनुमति
2019	92229	118
2020	38068	52
2021	186727	00
2022	108122	22
2023	116089	12
2024	135295	00

अटल मिशन योजना-2 के तहत होगा निर्माण, एक वर्ष में होंगे तैयार

पेयजल किल्लत से मिलेगी निजात, 14 करोड़ से बनेंगे तीन नए बूस्टिंग स्टेशन

- राजकीय महाविद्यालय के नजदीक व लघु सचिवालय के बूस्टिंग स्टेशनों का शुरू हुआ काम, हुड्डा पार्क में टैंक का निर्माण कार्य जल्द होगा शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय के समीप निर्माणधीन बुस्टिंग स्टेशन। फोटो : हरिभूमि

शहर में जल्द ही पेयजल किल्लत से निजात मिलने वाली है। जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर में अटल मिशन योजना-2 के तहत 14 करोड़ रुपये की लागत से तीन नए बूस्टिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। लघु सचिवालय व राजकीय महाविद्यालय के समीप बनने वाले बूस्टिंग स्टेशन का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है हुड्डा पार्क में बनने वाले बूस्टिंग स्टेशन का निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। बता दें कि जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से गर्मी के मौसम पेयजल किल्लत को देखते हुए मई माह में एस्टीमेट बनाकर उच्च अधिकारियों को भेज दिया गया था। स्वीकृति मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अब बूस्टिंग स्टेशनों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। दो माह के दौरान निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इसके अलावा गांव देवास व चितलांग में दो बड़े टैंक बनाए जाएंगे। दिसंबर माह तक दोनों टैंक का निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। नए टैंक बनने के बाद शहर को करीब तीन दशक तक पेयजल किल्लत से निजात मिलेगी।

शहर के तीन स्थानों पर टैंक बनाया जाएगा

शहर के राजकीय महाविद्यालय के नजदीक बूस्टिंग स्टेशन पर नया टैंक बनाया जा रहा है। जिसमें चार लाख 25 हजार 250 पानी स्टोर करने क्षमता होगी। इस टैंक की लंबाई 3.50 मीटर लंबाई, 9 मीटर चौड़ाई तथा 3.50 मीटर गहरा बनाया जाएगा। इस बूस्टिंग स्टेशन पर पहले से बने टैंक में पानी स्टोरेज की दो गुणी क्षमता होगी। लघु सचिवालय महेंद्रगढ़ के बूस्टिंग स्टेशन पर दो लाख 60 हजार पानी स्टोरेज करने की क्षमता होगी। इस टैंक की लंबाई 10.30 मीटर लंबाई, सात मीटर चौडाई, 3.50 मीटर गहरा बनाया गया है। इस बूस्टिंग स्टेशन पर पुराने टैंक की पानी स्टोरेज से डेढ़ गुणा अधिक क्षमता का पानी स्टोरेज किया जा सकेगा। हुड्डा पार्क के बूस्टिंग स्टेशन पर एक लाख 65 हजार की क्षमता के पानी स्टोरेज का टैंक बनाया जाएगा। इसकी 8.50 मीटर लंबाई, 5.30 मीटर चौडाई, 3.50 मीटर गहरा बनाया जाएगा। पुराने मशीनों की जगह नए मशीने लगाना, पुराने टैंकों की मरम्मत कार्य व सफाई का कार्य किया जाएगा। गांव देवास में तीन एकड़ में टैंक का निर्माण किया जाएगा। वहीं दूसरा टैंक चितलांग गांव की छह एकड़ जमीन पर बनाया जाएगा। इसके लिए पंचायत से जमीन की स्वीकृति लिए पत्र लिखा गया है।

देवास में बने चार टैंक से होती सप्लाई

तीन दशक पहले शहर की करीब 20 हजार की आबादी के लिए गांव देवास स्थित परियोजना बनाई गई थी। इसमें चार वाटर टैंक बनाकर चार किमी भूमिगत पाइप लाइन दबाकर शहर में बने बूस्टिंग स्टेशन से पेयजल आपूर्ति की जाती है। तीन दशक में आबादी 80 हजार तक पहुंच गई है। इसके कारण पेयजल समस्या बढ़ने लगी है। गांव देवास में करीब दस एकड़ भूमि पर बने नहरी पानी आधारित चार जलघरों से आपूर्ति होती है। इसकी क्षमता महज 85 लाख लीटर होने के कारण 14 दिन का पानी स्टोर हो सकता है। नहरी पानी के अभाव में सप्ताह के बाद पानी की राशनिंग शुरू कर दी जाती है।

टैंकों को बनाने का कार्य शुरू

जनस्वास्थ्य विभाग के जेई सुरेंद्र सिंह ने बताया कि अमृत मिशन योजना-2 के तहत करीब 14 करोड़ से शहर के तीन बूस्टिंग स्टेशनों पर नए टैंकों को बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया। राजकीय महाविद्यालय के नजदीक बूस्टिंग स्टेशन व लघु सचिवालय के बूस्टिंग स्टेशन पर कार्य पिछले माह शुरू हो चुका। हुड्डा पार्क के बूस्टिंग स्टेशन का कार्य जल्द शुरू करा दिया जाएगा।

धन्यवाद रैली को लेकर विधायक ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

बैठक को संबोधित करते विधायक कंवर सिंह यादव।

स्थानीय डॉ. अंबेडकर भवन में बुधवार को 18 मई को होने वाले मुख्यमंत्री की धन्यवाद रैली को लेकर को कार्यकर्ताओं की मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विधायक कंवर सिंह यादव ने की। कंवर सिंह यादव ने कहा कि मैं भारतीय जनता पार्टी का एक सामान्य कार्यकर्ता हूं। चुनाव के समय कुछ लोग बातें बना रहे थे कुछ लोग हंस रहे थे लेकिन आप लोग अपने निश्चय पर रुके हुए थे और आपने उन लोगों को दिखा दिया कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता चाहे तो कुछ भी असंभव नहीं है। 18 मई को मुख्यमंत्री महेंद्रगढ़ विधानसभा में धन्यवाद रैली को संबोधित करेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को रैली को सफल बनाने के लिए दिल जान से मेहनत करनी है तथा रैली को सफल बनाने में हमारे द्वारा कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। सभी कार्यकर्ताओं की रैली से संबंधित जिम्मेदारियां भी निर्धारित की गई। विधायक ने कहा कि सभी मंडल अध्यक्ष अपने अंतर्गत आने वाले गांव में जाकर संपर्क करें। सभी शक्ति केंद्र प्रमुख तथा बूथ प्रधान के द्वारा रैली के संबंध में लोगों को बताए और ज्यादा से ज्यादा संख्या में रैली में पहुंचना है। रैली को आप लोग ऐतिहासिक रैली में बदले। विधायक ने कहा कि भारतीय सेना ने देश की शान तथा हिंदुस्तान का नाम रोशन किया है और मैं भारतीय सेना को तहे दिल से नमन करते है। दुनिया के दूसरे देशों ने मोदी की तारीफ की है उनकी नीतियों की तारीफ की है जो लोग आतंकवाद को फैला रहे हैं निर्दोष लोगों को मार रहे हैं। उनको हमारे सैनिक मिट्टी में

बैठक में रहे मौजूद: इस अवसर पर किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष पवन खैरवाल, बार प्रधान संदीप यादव, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुधीर दीवान, मंडल अध्यक्ष संदीप बचीनी, पाली मंडल अध्यक्ष दीपिका, राहुल खातोद, संदीप मालडा, योगेश शास्त्री, वीरेंद्र पालड़ी, मोहनलाल, विनोद तंवर, नवीन मित्तल, प्रेम प्रकाश, बाबूलाल, सोमदत्त, अमरसिंह देवास, कृष्ण ठेकेदार, अविनाश, चन्द्रकला खातौद, रेखा अधिवक्ता, सरपंच प्रतिनिधि नरेश खुडाना, रणधीर, मंजीत, कैप्टन सुरेश कुमार, कृष्ण सरपंच, राजपाल सरपंच, विजय आदि मौजूद रहे।

कनीना लघु सचिवालय में अभी फिटिंग, खजाना कार्यालय व फर्नीचर कार्य लंबित, उद्घाटन का करना होगा इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

मुख्यमंत्री नायब सैनी 18 मई को महेंद्रगढ़ में धन्यवादी दौरा पर आ रहे हैं। इस दौरान उनकी ओर से विभिन्न प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास व उद्घाटन किया जाएगा। जिसका आमजन को फायदा मिलेगा, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि कनीना में लघु सचिवालय का भवन बनकर तैयार है, उसमें फिटिंग, खजाना कार्यालय व फर्नीचर का कार्य लंबित है। समुचित रास्ता न होने की भी बात सामने आ रही है। इस वजह से भवन का उद्घाटन होना मुनासिब नहीं माना जा रहा है, जबकि वर्तमान एसडीएम कार्यालय के ठीक सामने एसडीजेएम कोर्ट भवन के लिए बुनियाद खुदाई का कार्य शुरू किया गया है। जिससे कार्य अस्त व्यस्त हो गया है।लघु सचिवालय के भवन को बनाने के लिए 18 माह का समय निर्धारित किया गया था, लेकिन कई बार टाइम एक्सटेंड करने के बाद भी कार्य अभी तक लंबित पड़ा है। जब तक एसडीएम कार्यालय व सरल केंद्र अन्यत्र स्थानांतरित नहीं हो जाता तब तक कोर्ट भवन की बुनियाद भी नहीं भरी जा सकती। ये तोड़ने के बाद ही कार्य गति पकड़ेगा। देखा जाए तो ठेकेदार की ओर से छह माह पूर्व जनवरी 2025 में ये भवन तैयार कर हैंडओवर किया जाना था। इसके बाद होली के त्योहार की बात कही गई। अब मध्य जुलाई तक कार्य पूरा करने को कहा जा रहा है। कछुआ गति से चल रहे इस कार्य को लेकर आमजन में तरह तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं। कार्य लंबित मानते हुए इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन सीएम नहीं कर सकेंगे।

- सीएम द्वारा अभी नहीं किया सकेगा कनीना के लघु सचिवालय का उद्घाटन

क्या कहते है एसडीएम

इस बारे में महेंद्रगढ़ के एसडीएम अनिल यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री की ओर से महेंद्रगढ विधान सभा के करीब 29 विभिन्न प्रोजेक्ट्स का सभा स्थल से ही शिलान्यास व उद्घाटन किया जाएगा। कनीना के लघु सचिवालय भवन का उद्घाटन व एसडीजेएम कार्ट भवन का शिलान्यास यदि सूचि में है तो यहीं से किया जाएगा।

सीएम के प्रस्तावित दौरे को लेकर डीसी ने ली अधिकारियों की बैठक

महेंद्रगढ़ विधानसभा की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 18 मई को राजकीय कॉलेज महेंद्रगढ़ के मैदान में प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बुधवार को लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक ली। डीसी ने बताया कि 18 मई को होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर सभी विभाग तुरंत प्रभाव से तैयारियां शुरू कर दें।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री महेंद्रगढ़ विस की विभिन्न परियोजनाओं के उद्घाटन तथा शिलान्यास करेंगे। संबंधित विभाग इस बारे में सभी प्रकार की स्वीकृति आज ही प्राप्त कर लें। उपायुक्त ने इस कार्यक्रम में पधारने वाले आमजन के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने एंबुलेंस, पेयजल, बिजली, शौचालय, सफाई तथा रास्ते पर पड़ने वाले पेड़ों की कटिंग सहित तमाम तैयारियां दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आमजन को बैठने के लिए अलग अलग सेक्टर बनाकर कुर्सियां लगाई जाएंगी। इन सभी सेक्टर में पेयजल की उचित व्यवस्था रहेगी, ताकि आमजन को पेयजल के लिए बाहर न जाना पड़े। गर्मी के मौसम को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त मात्रा में कूलर तथा पंखे लगाए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा के मध्य नजर पार्किंग की अलग अलग व्यवस्था होनी चाहिए तथा एक एक नोडल अधिकारी तैनात किया जाए। इस बैठक में महेंद्रगढ़ के एसडीएम अनिल यादव, नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार, कनीना के एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह, एसडीएम रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार व डीएसपी हरदीप सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

नारनौल। सीएम के कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डॉ. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

सिहमा नहर के एनबी पंप हाउस 5 पर मिला शव

मंडी अटेली। जवाहरलाल कैनाल ब्रांच की नहर सिहमा एनबी पंप हाउस नंबर पांच एक व्यक्ति का शव तैरता हुआ मिला। मृतक की अभी पहचान नहीं हुई है। शव को पुलिस की सहायता से बाहर निकाल लिया गया है। जानकारी के अनुसार लगभग दोपहर 12 बजे के करीब सिहमा एनबी पंप हाउस नंबर पांच एक व्यक्ति शव पानी में तैरता हुआ देखा गया। शव देखते ही वहां उपस्थित लोगों ने डायल 112 को फोन कर एंबुलेंस को बुलाया गया। इसके बाद मौके पर ही महेंद्रगढ़ पुलिस की टीम पहुंची। उसके बाद सिहमा के सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद यादव को सूचना दी गई। शव मिलने की खबर से आस पड़ोस के लोग वहां उपस्थित हो गए। मृतक व्यक्ति के शव को देखने से यह लग रहा था कि वह दो दिनों से पानी में पड़ा हुआ था, क्योंकि उसकी उसका शरीर पूरी तरह फुल चुका था और बदबू भी आने लग गई थी। फिलहाल पुलिस आसपास के इलाकों में गुमशुदगी की रिपोर्टों को खंगाल रही है। इस मामले में पहले तो फैजाबाद पुलिस चौकी के इंचार्ज एएसआई प्रीतम से बात की तो उन्होंने बताया कि जो शव मिला है, वह महेंद्रगढ़ सदर थाना क्षेत्र की सीमा में आता है। महेंद्रगढ़ सदर पुलिस के इंचार्ज मुकेश इंस्पेक्टर से बात की तो उन्होंने बताया कि मृतक व्यक्ति की उम्र लगभग 45 से 50 बीच की है। शव को नागरिक अस्पताल नारनौल में पहचान के लिए रखवा दिया गया है।

मंडी अटेली। नहर से बाहर निकालने के बाद व्यक्ति का शव।

आह्वान | एसीएस हेल्थ ने लिंगानुपात को लेकर की वीसी, सूचना देने पर नाम भी रहेगा गुप्त

भ्रूण जांच की दें सूचना और एक लाख पाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने कहा कि अवैध गर्भपात की प्रथाओं के प्रति सरकार व जिला प्रशासन जीरो टोलरेंस के दृष्टिकोण पर काम कर रही है। ऐसा कृत्य करने वाले लोग बख्शे नहीं जाएगा। डीसी बुधवार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के एसीएस सुधीर राजपाल की अध्यक्षता में लिंगानुपात को लेकर राज्य के सभी उपायुक्त, स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद अधिकारियों की बैठक में बोल रहे थे।डीसी ने कहा कि महेंद्रगढ़ में लिंगानुपात सुधारने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया जा रहा है। डीसी ने अवैध गर्भपात पर अंकुश लगाने और लिंगानुपात में और अधिक सुधार लाने के प्रयासों को तेज करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि गर्भवती महिला का सही समय पर पंजीकरण जरुर कराया जाए। आशा वर्कर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सीडीपीओ तथा चिकित्सा अधिकारी पूरी तरह से सतर्क रहें। डीसी ने अधिकारियों को सभी स्तरों पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि कानून को लागू करने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग के पास निजी प्रैक्टिस करने वाले सभी बीएमएस व बीएचएमएस डॉक्टरों की सूची उपलब्ध होनी चाहिए।

नारनौल। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मौजूद डीसी डॉ. विवेक भारती व अन्य।

इस तरह होगी जिला स्तर पर स्थायी समिति

डीसी डॉ. विवेक ने बताया कि जिला स्तर पर एक स्थाई समिति बनाई जाएगी। इसके लिए सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस समिति में वे खुद अध्यक्ष होंगे। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम सह अध्यक्ष होंगे। सिविल सर्जन सदस्य सचिव तथा उप सिविल सर्जन, डीएसपी, डीसीओ, पीओ आईसीडीएस व डीआईपीआरओ इस समिति के सदस्य रहेंगे।

गर्भपात न करवाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा

उन्होंने कहा कि संबंधित क्षेत्र की खराब प्रदर्शन करने वाली आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, एमओ और एसएमओ के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उपायुक्त ने कहा कि अगर गांव या शहर में कोई भी व्यक्ति भ्रूण लिंग जांच करने जैसी गतिविधियों में लिप्त रहता है तो उसकी सूचना जिला प्रशासन, नजदीकी सरकारी अस्पताल या कार्यालय सिविल सर्जन नारनौल में दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम व पता गुप्त रखा जाता है। सरकार की तरफ से प्रोत्साहन के रूप में एक लाख रुपये की राशि भी दी जाती है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ मिलकर सहेली स्कीम के तहत आशा वर्कर तथा आंगनबाड़ी वर्कर ने ऐसी गर्भवती महिलाओं को गोद लिया हुआ है, जिनको पहले एक या एक से अधिक लड़कियां है। भ्रूण लिंग जांच एवं गर्भपात न करवाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस मौके पर सीएमओ डॉ. अशोक कुमार, डॉ. विजय यादव, डॉ. नरेन्द्र, कार्यक्रम अधिकारी संगीता यादव के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. गजिंदर कुमार गोयल
क्लीनिकल डायरेक्टर-कार्डियोलॉजी
मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स, फरीदाबाद

स्पेशल: वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे, 17 मई

आज के दौर में हाइपरटेंशन को कॉमन बीमारी मान लिया गया है, इस वजह से इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता। ऐसा करने से यह कई बीमारियों का कारण बन जाता है। इसीलिए इसे साइलेंट किलर भी कहा जाता है। हाई ब्लड प्रेशर के कारण, इसके लक्षणों, उपचार और बचाव के तरीकों के बारे में यहां बता रहे हैं विस्तार से।

सही लाइफस्टाइल-रेग्युलर चेकअप कंट्रोल रहेगा ब्लड प्रेशर

आधुनिक दौर में भाग-दौड़ भरी जिंदगी और बिजी लाइफस्टाइल की वजह से कई बीमारियां बहुत कॉमन हो गई हैं। इनमें से एक है हाइपरटेंशन, जिसे हाई ब्लड प्रेशर या हाई बीपी भी कहा जाता है। अमूमन हर दूसरे घर में हाइपरटेंशन से ग्रसित कोई न कोई व्यक्ति जरूर मिल जाता है।

क्या है हाइपरटेंशन

हार्ट हमारे शरीर में प्रवाहित होने वाले रक्त के लिए एक पंप के रूप में काम करता है और रक्त को ब्लड आर्टरीज में पहुंचाता है। जिनके माध्यम से रक्त पूरे शरीर में सर्कुलेट होता है। ब्लड सर्कुलेशन के समय ब्लड आर्टरीज यानी ब्लड वेसल्स में पड़ने वाले दबाव को ब्लड प्रेशर कहते हैं। जब दिल सिकुड़ता है और रक्त को आर्टरीज तक जोर से बाहर भेजता है। इस समय प्रेशर ज्यादा होता है, जिसे सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर कहा जाता है। दूसरी हार्टबीट से पहले ब्लड आर्टरीज में सर्कुलेट होने लगता है। हार्ट रिलैक्स कर रहा होता है, तब भी वेंस के जरिए हार्ट में ब्लड भर रहा होता है। उस समय प्रेशर कम होता है, जिसे डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर कहते हैं।

कैसे करते हैं चेक

ब्लड प्रेशर, स्फिग्मोमैनोमीटर इंस्ट्रूमेंट से मापा जाता है। ब्लड प्रेशर चेक करते समय व्यक्ति का रिलैक्स होना जरूरी है। बीपी इंस्ट्रूमेंट का कफ व्यक्ति की कोहनी से ऊपर बांह में बांध कर चेक किया जाता है। बीपी इंस्ट्रूमेंट का लेवल हार्ट के लेवल पर हो। कफ बांधते समय ध्यान रखा जाता है कि वो न ज्यादा टाइट हो न ज्यादा लूज। आमतौर पर दोनों बांहों में ब्लड प्रेशर की रीडिंग समान होती है। ब्लड प्रेशर चेक करते वक्त डॉक्टर मरीज की कम से कम 3 रीडिंग लेते हैं, क्योंकि चेक कराने आए व्यक्ति का ब्लड प्रेशर कई कारणों से न चाहते हुए भी बढ़ सकता है। 4-5 मिनट के अंतराल पर दुबारा बीपी रीडिंग ली जाती है। इनमें बाद की 2 रीडिंग की एवरेज निकाली जाती है और उसे एक्चुअल ब्लड प्रेशर माना जाता है।

बढ़ रहे हैं मामले

देखा जाए, तो आजकल हाइपरटेंशन बहुत से लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। पहले जहां इसे बढ़ती उम्र के साथ होने वाली बीमारियों में गिना जाता था, मौजूदा अस्वास्थ्यकर और अनियमित आधुनिक जीवनशैली की बदौलत कम उम्र के वयस्कों में भी इसका खतरा बढ़ गया है। अध्ययनों से साबित हुआ है कि हर तीन में से एक व्यक्ति को हाइपरटेंशन की समस्या है। 18 साल से ज्यादा उम्र के तकरीबन 30 प्रतिशत वयस्क हाइपरटेंशन से पीड़ित हैं। 85 प्रतिशत लोग ऐसे होते हैं, जिनमें हाइपरटेंशन के साथ कोई न कोई दूसरी बीमारियां भी जुड़ी होती हैं।

किसे है ज्यादा रिस्क

वैसे तो महिला और पुरुष दोनों को हाई ब्लड प्रेशर का रिस्क होता है। लेकिन 50 साल से कम उम्र के पुरुषों को रिस्क ज्यादा होता है। 50 साल के बाद मेनोपॉज के बाद महिलाएं भी इसकी चपेट में आ सकती हैं, क्योंकि मेनोपॉज से पहले महिलाओं के शरीर में मौजूद एस्ट्रोजन और प्रोजेस्ट्रान हार्मोन महिलाओं को काफी हद तक हाई ब्लड प्रेशर से बचाते हैं। कुछ महिलाओं को जिन्हें प्रेगनेंसी के दौरान हाई ब्लड प्रेशर होता है, उनमें बाद में हाइपरटेंशन होने की टेंडेंसी ज्यादा होती है।

हाई बीपी के कारण

कारणों के आधार पर एक्सपर्ट्स हाइपरटेंशन दो तरह का मानते हैं।

प्राइमरी या एसेंशियल हाइपरटेंशन: हाइपरटेंशन के 90 प्रतिशत से ज्यादा मामले ऐसे होते हैं, जिनमें कोई विशेष कारण नहीं होता। मूलतया बढ़ती उम्र और अस्वास्थ्यकर गलत आदतों की वजह से हाइपरटेंशन होता है जैसे- अनियमित और आरामपरस्त जीवनशैली, अनहेल्दी खान-पान (फास्ट या जंक फूड या फैटी फूड का सेवन अधिक करना), खाने में नमक की अधिकता, वजन ज्यादा होना, एक्सरसाइज या व्यायाम न करना, पढ़ाई और करियर को लेकर तनाव, स्मोकिंग या एल्कोहल का सेवन ज्यादा करना।

सेकेंडरी हाइपरटेंशन: किसी गंभीर बीमारी या विशेष कारणों की वजह से हाइपरटेंशन के कुल 10 प्रतिशत मामले सेकेंडरी हाइपरटेंशन के होते हैं जैसे- कॉलेस्ट्रॉल बढ़ने से आर्टरीज का ब्लॉक होना, किडनी की बीमारियां, गर्भावस्था में ब्लड प्रेशर ज्यादा होना, थायरॉइड, स्लीप एपनिया, ब्रेन में सूजन या ट्यूमर होना, हार्मोनल असंतुलन, फैमिली हिस्ट्री होना।

प्रमुख लक्षण

आमतौर पर मरीज को तेज सिर दर्द होना (सुबह के समय ज्यादा होना), सिर में भारीपन, नजर धुंधली होना, दिल की धड़कन तेज होना, चेस्ट पेन होना, चलते समय सांस फूलना, चक्कर आना, थकावट होना, नींद न आना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन लंबे समय तक हाइपरटेंशन रहने पर मरीज को कई तरह की जटिलताएं होने की संभावना रहती है। हार्ट डिजीज, हार्ट अटैक, आर्टरीज फट सकती हैं और उनमें क्लॉटिंग होने से ब्रेन स्ट्रोक होना, पैरालाइसिस होने का खतरा रहता है, किडनी डैमेज होना, पैरों की आर्टरीज में भी ब्लॉकेज होने, आंखों में रेटिनोपैथी, रेटिनल हैमरेज या ब्लीडिंग होने या आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

उपचार के तरीके

हाई ब्लड प्रेशर होने पर डॉक्टर को तुरंत कंसल्ट करके उपचार शुरू करना चाहिए। ऐसे में किसी भी तरह की कोताही बरतना या लाइफस्टाइल मॉडिफिकेशन करके स्थिति में सुधार लाने का इंतजार करना खतरनाक हो सकता है। डॉक्टर मरीज की स्थिति, उम्र और वजन के हिसाब से मेडिसिन देते हैं। शुरू में मेडिसिन की लो-डोज दी जाती हैं, धीरे-धीरे उसकी डोज बढ़ाते हैं। साथ ही मरीज को हाइपरटेंशन कंट्रोल करने के लिए स्वस्थ जीवनशैली नियमपूर्वक अपनाने के निर्देश देते हैं। आमतौर पर मेडिसिन लंबे समय तक चलती हैं। लेकिन नई मेडिकल गाइडलाइन के मुताबिक अगर मरीज का ब्लड प्रेशर 120 से कम रहने लग जाए, तो मेडिसिन की डोज कम और स्थिति के हिसाब से बंद भी कर दी जाती हैं। प्री-हाइपरटेंशन वाले मरीजों को डॉक्टर पहले 3 महीने तक सख्ती से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का निर्देश देते हैं। ब्लड प्रेशर नॉर्मल न होने की स्थिति में मेडिसिन शुरू करनी पड़ती हैं।

बचाव के तरीके

- लाइफस्टाइल मॉडिफिकेशन और रेग्युलर हेल्थ चेकअप से हाइपरटेंशन की गिरफ्त में आने से बचा जा सकता है।
- अपने ब्लड प्रेशर स्टेटस को जानें। इसके लिए रेग्युलर ब्लड प्रेशर चेक कराते रहें।
- अगर आप प्री-हाइपरटेंशन मरीज की कैटेगरी में आते हैं तो इससे बचाव के समुचित कदम उठाएं। सेडेंटरी (निष्क्रिय) लाइफस्टाइल से दूर रहें।
- घर का बना संतुलित और पौष्टिक आहार का सेवन करें। फाइबर से भरपूर मोटे अनाज ज्यादा लें। आहार में ज्यादा से ज्यादा मौसमी फल-सब्जियों को शामिल करें। केला, मौसंबी, अनार, नारियल पानी जैसे पोटैशियम रिच फ्रूट्स का सेवन अधिक करें।
- फास्ट फूड, जंक फूड, प्रोसेस्ड फूड, वसायुक्त आहार से परहेज करें।
- आहार में नमक कम से कम लें। खासकर टेबल साल्ट यानी ऊपर से नमक मिलाना अवॉयड करें। ज्यादा नमक वाली चीजें जैसे- पैकेज्ड फूड, अचार, पापड़, चिप्स, बिस्कुट, नमकीन, सॉस कम खाएं।
- चाय-कॉफी जैसे कैफीनयुक्त पदार्थों का सेवन सीमित मात्रा में करें।
- डॉक्टर के परामर्श से नियमित दवाई लें।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल में होने पर भी डॉक्टर की सलाह पर दवाइयों में होने वाली फेर-बदल पर अमल करें।

- रेग्युलर फिजिकल चेकअप कराएं ताकि ब्लड प्रेशर से शरीर के दूसरे अंगों पर पड़ने वाले प्रभाव की यथासमय जांच भी हो जाए। अगर कोई गंभीर बीमारी हो, तो डॉक्टर से परामर्श करके उपचार कराएं। संभव है कि प्राइमरी प्रॉब्लम ठीक होने पर हाई ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में आ जाए।
- स्वस्थ वजन मेंटेन करें। रोजाना 30-45 मिनट अपनी पसंद और क्षमतानुरूप फिजिकल एक्टिविटीज, ब्रिस्क वॉक, एक्सरसाइज या योगाभ्यास करें। स्ट्रेस कम करने के लिए मेडिटेशन करें।
- एल्कोहल और स्मोकिंग से परहेज करें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

ब्लड प्रेशर रीडिंग क्या है

मेडिकल गाइडलाइन के मुताबिक ब्लड प्रेशर की चार स्टेज हैं।

नॉर्मल ब्लड प्रेशर: इसमें ब्लड प्रेशर 120/70 मिमी एचजी होता है। यानी 120 सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर और 70 डायस्टोलिक।

लो ब्लड प्रेशर: इसमें ब्लड प्रेशर 120/70 मिमीएचजी से कम होता है।

एलिवेटेड ब्लड प्रेशर या प्री-हाइपरटेंशन: इसमें व्यक्ति का सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर 120/140 के बीच और डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर 70-90 के बीच में होता है।

हाइपरटेंशन या हाई ब्लड प्रेशर: ब्लड प्रेशर 140/90 मिमीएचजी या उससे अधिक हो। यानी सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर 140 से ज्यादा और डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर 90 से ज्यादा हो।

फिटनेस / विवेक कुमार

कंफर्टेबल रनिंग-जॉगिंग के लिए सेलेक्ट करें परफेक्ट-फिट शूज

आप यंग हैं, मिड एज हैं या ओल्ड एजर, अगर रनिंग-जॉगिंग करते हैं तो इसके लिए परफेक्ट शूज ही सेलेक्ट करें। यह क्यों जरूरी है और परफेक्ट शूज लेने के लिए किन बातों का ध्यान रखें, जानिए।

यह अच्छी बात है कि यंग ही नहीं मिड और ओल्ड एज के लोगों में भी हाल के वर्षों में फिटनेस को लेकर अवेयरनेस बढ़ी है। यही वजह है कि शहरों में अधिकतर पार्कों में हर उम्र के लोग रनिंग, जॉगिंग और वर्कआउट करते दिखते हैं। ये सारी फिजिकल एक्टिविटीज आप तभी आसानी से कर सकते हैं, जब आपके शूज सुटेबल और कंफर्टेबल होंगे। जी हां, बेहतर रनिंग शूज।

इसलिए जरूरी सही शूज: कंफर्टेबल शूज इस्तेमाल न करने के कारण दौड़ने या टहलने से जो आप हेल्थ बेनिफिट पाना चाहते हैं, उसमें देरी लग सकती है। इसके चलते आपकी एड़ी, पंजे, तलवों में अकड़न या सूजन तक हो सकती है। कई बार कमर, नितंब और गर्दन में दर्द की वजह अनकंफर्टेबल रनिंग शूज ही होते हैं। अगर रनिंग शूज सही और मन माफिक हैं तो आप ज्यादा से ज्यादा टहलना या दौड़ना चाहेंगे। कम थकेंगे और दर्द मुक्त रहेंगे जबकि अनफिट शूज के साथ ये सब करना मुश्किल होगा।

सही रनिंग शूज: रनिंग शूज का मतलब केवल दौड़ने वाले शूज ही नहीं होता। सामान्य रूप से जो शूज, चलने-फिरने में आरामदायक हों, एक कदम रखें तो इसका तला मुड़कर सीधा होता हुआ दूसरे कदम के लिए आपको स्वतः तैयार कर आगे बढ़ा दे। दौड़ने से न तो आप, न ही आपके पैर, पंजे, एड़ियां थकें, वही सही माने जाते हैं।

ऐसे हों रनिंग शूज: रनिंग शूज में पांच खासियतें होनी चाहिए। पहली, ये पैरों को आगे बढ़ाने में और संतुलन रखने में बढ़िया हों। दूसरा, पैरों को आगे तो बढ़ाते हों पर इससे ज्यादा ये हर ओर से पैर को साधे रखते हों। तीसरा, हमारी गति को इस तरह नियंत्रित करें कि हम तेज चलने के प्रयास में गिर न पड़ें, क्योंकि तलवों के रोल होने और खुलने की प्रक्रिया बहुत तेज भी हो सकती है। चौथा, अगर सड़क या पार्क पर बना जॉगिंग ट्रैक बढ़िया न हो, थोड़ा ऊबड़-खाबड़ या कंकरीला हो तो भी सुगमता से दौड़ सकें। पांचवां, शूज हल्के और आरामदेह हों।

इन बातों का रखें ध्यान: रनिंग शूज पहनकर अगर आप रोज रनिंग, जॉगिंग करते हैं 650 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद इसे बदल देना चाहिए। इतनी दूरी तय करने के बाद शूज की सोल पहले जैसी आरामदेह और कार्यकुशल नहीं रह जाती है। सुनिश्चित करें कि आपके अंगूठे के बगल में थोड़ा स्पेस, अंगुलियों के हिलाने-डुलाने के लिए है कि नहीं? अंगूठे की तरफ से या आगे की ओर से कोई दबाव तो नहीं पड़ रहा है। इससे आपकी अंगुलियों और पंजों में सूजन हो सकती है। *

मौसमी फल / शिवचरण चौहान

गर्मी से राहत दिलाए खरबूजा

गर्मी के मौसम (अप्रैल, मई और जून) में पैदा होने और पसंद किया जाने वाला फल है-खरबूजा। खरबूजा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, बिहार आदि प्रदेशों की बलुई भूमि में बहुतायत से उत्पन्न होता है। खरबूजे का वैज्ञानिक नाम कुकुमिस मेलो है। यह कुकरबिटेसी परिवार का सदस्य है।

आयुर्वेद में खरबूजे को कफ-पित्त नाशक और शक्तिवर्द्धक माना गया है। खरबूजे में विटामिन-ए और सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। वैज्ञानिक परीक्षणों के अनुसार खरबूजे के एक सौ ग्राम गूदे में 17 कैलोरी ऊर्जा शरीर को प्राप्त होती है। 100 ग्राम में 32 मिलीग्राम कैल्शियम, 26 मिलीग्राम विटामिन-सी और 14 मिलीग्राम फास्फोरस पाया जाता है। खरबूजे के बीज भी बहुत उपयोगी होते हैं। बीजों में 36 प्रतिशत प्रोटीन, 45 प्रतिशत वसा तथा अन्य तत्व पाए जाते हैं। खरबूजे के बीजों की गिरी को बहुत चाव से खाया जाता है। मिठाइयों, शरबत और ठंडाई में भी खरबूजों के बीजों की गिरी का प्रयोग होता है। खरबूजा खाने से नेत्र ज्योति बढ़ती है। मूत्र से संबंधित रोग दूर होते हैं। प्यास मिटती है। गले के दर्द और जलन में खरबूजे का सेवन राहत देता है। यकृत की सूजन, पेट में कब्ज होने पर खरबूजे का सेवन लाभप्रद माना गया है। खरबूजा खाली पेट नहीं खाया जाना चाहिए और रात में भी नहीं खाना चाहिए। प्राकृतिक ढंग से उगाया गया खरबूजा बहुत लाभप्रद और ताजगी देने वाला है। *

आयुर्वेद / रेखा देशराज

बहुपयोगी औषधीय पौधा सर्पगंधा

सर्पगंधा जिसे चंद्रप्रभा, अंधी जड़ी या नागराज के नाम से भी जाना जाता है, आयुर्वेद की सबसे प्रभावशाली जड़ी-बूटियों में से एक है।

संरचना: जहां तक इसके वानस्पतिक विवरण की बात है तो यह 60 से 90 सेंटीमीटर लंबा एक झाड़ीदार पौधा है। यह बहुवर्षीय झाड़ी के रूप में विकसित होता है। इस पौधे के तने पतले, शाखायुक्त हरे और हल्के भूरे होते हैं। पत्तियां सरल अंडाकार, हरी और 7 से 10 सेंटीमीटर लंबी होती हैं। इसमें छोटे, सफेद और बैंगनी फूल लगते हैं, जो गुच्छों में होते हैं तथा इसका फल काला या बैंगनी रंग के बेर जैसा होता है। इन फलों का भी औषधीय उपयोग होता है। इसकी जड़ी लंबी, मांसल और तीव्रगंध वाली होती है, जो सबसे ज्यादा औषधीय काम की होती हैं। इसलिए ही इसे सर्पगंधा कहते हैं।

इस जड़ी बूटी में सबसे महत्वपूर्ण, इसमें पाया जाने वाला वह रासायनिक घटक है, जिसे रेसर्पीन कहते हैं। यह एक शक्तिशाली एल्केलॉयड है, जो उच्च रक्तचाप और अनेक मानसिक रोगों की चिकित्सा में प्राथमिक तौर पर इस्तेमाल होता है।

कई रोगों में कारगर: सर्पगंधा के चिकित्सीय उपयोग कई तरह के हैं। यह उच्च रक्तचाप में फायदेमंद होता है। आयुर्वेद और एलोपैथ दोनो में ही इसका इस्तेमाल ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए किया जाता है। मानसिक रोग, अनिद्रा, तनाव, पागलपन जैसी स्थितियों में भी यह उपयोगी है। पारंपरिक चिकित्सा में इसका सबसे असरदार और सबसे आम इस्तेमाल सर्पदंश की स्थिति में व्यक्ति को बचाने के लिए किया जाता रहा है। अनिद्रा के उपचार में इसका उपयोग दिनों-दिन

अवेयरनेस

सृजन अरोड़ा

हमारे शरीर को कई मिनरल्स की निश्चित मात्रा में जरूरत होती है। उससे अधिक मात्रा शरीर में पहुंचने से कई सीरियस हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। सेलेनियम की अधिकता से होने वाले साइड इफेक्ट्स के बारे में जानिए।

एलर्टनेस से पॉसिबल है सेलेनियम टॉक्सिसिटी से बचाव

पिछले दिनों महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले से आई खबर ने लोगों को हैरानी में डाल दिया। वहां करीब 400 लोगों के बाल अचानक तेजी से झड़ने लगे। यहां तक कि कुछ ही दिनों में गंजे होने की नौबत आ गई। यही नहीं कुछ समय बाद उन्हें हाथ-पैर के नाखून भंगुर होने, झड़ने या पूरे के पूरे निकलने की समस्या से भी दो-चार होना पड़ा। इसके पीछे मूल वजह सेलेनियम-रिच खाद्य पदार्थों के ज्यादा सेवन से शरीर में पैदा हुई सेलेनियम टॉक्सिसिटी थी।

जरूरी है सेलेनियम: सेलेनियम एक आवश्यक ट्रेस मिनरल है, जो शरीर के कई महत्वपूर्ण कार्यों के लिए जरूरी है। सेलेनियम शरीर में एंटीऑक्सिडेंट एंजाइम (जैसे ग्लूटाथियोन पेरोक्सिडेज) के रूप में कार्य करता है, जो कोशिकाओं को फ्री-रेडिकल्स की चपेट में आने या ऑक्सीडेविट तनाव से बचाता है। इसके अलावा सेलेनियम हृदय स्वास्थ्य, प्रतिरक्षा प्रणाली, थायरॉइड हार्मोन, मेटाबॉलिज्म, डीएनए संश्लेषण, प्रजनन और ऑक्सीडेटिव क्षति और संक्रमण से सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सेलेनियम के स्रोत: चूंकि खाद्य पदार्थों में सेलेनियम प्रोटीन से बंधा होता है, इसलिए प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ सेलेनियम के सबसे अच्छे स्रोत होते हैं। ब्राजील नट्स, सी फूड्स, मीट, चिकन, अंडे सेलेनियम के समृद्ध खाद्य स्रोत हैं। अन्य स्रोतों में गेहूं, चावल जैसे अनाज और डेयरी उत्पाद शामिल हैं।

कितनी मात्रा जरूरी: सेलेनियम का सीमित मात्रा में सेवन करना जरूरी है। एक वयस्क व्यक्ति को रोजाना 55 माइक्रोग्राम सेलेनियम की जरूरत होती है। ज्यादा से ज्यादा 200 माइक्रोग्राम प्रतिदिन सेवन कर सकता है।

क्या है सेलेनियम टॉक्सिसिटी: सेलेनियम की अधिकता होने पर शरीर में विषाक्तता होने का खतरा रहता है, जिसे सेलेनियम टॉक्सिसिटी या सेलेनोसिस कहा जाता है। यह टॉक्सिसिटी आमतौर पर तब होती है, जब लोग सेलेनियम युक्त सप्लिमेंट्स का अत्यधिक सेवन करते हैं। अगर वे ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं, जहां मिट्टी और पानी में सेलेनियम की उच्च मात्रा होती है। अतिरिक्त सेलेनियम शरीर की कोशिकाओं में धीरे-धीरे जमा होने लगता है और शरीर के विभिन्न अंगों को नुकसान पहुंचाता है। सेलेनियम टॉक्सिसिटी दो प्रकार की हो सकती है।

एक्यूट टॉक्सिसिटी: यह तब होती है, जब बहुत अधिक मात्रा में सेलेनियम एक साथ शरीर में चला जाता है। मितली, उल्टी, पेट दर्द, दस्त, सांस लेने में तकलीफ और गंभीर मामलों में मृत्यु तक हो सकती है।

क्रॉनिक टॉक्सिसिटी: लंबे समय तक अधिक सेलेनियम के संपर्क में रहने से यह होती है। इसमें बालों और नाखूनों का झड़ना या टूटना, थकान, त्वचा पर चकत्ते, नाखूनों का रंग बदलना, तंत्रिका तंत्र में गड़बड़ी, चिड़चिड़ापन और त्वचा की सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

क्या है कारण: सेलेनियम टॉक्सिसिटी के कई कारण हो सकते हैं।

- सेलेनियम सप्लीमेंट्स का अधिक सेवन।
- सेलेनियम से दूषित पानी या मिट्टी से उगाए गए खाद्य पदार्थों का सेवन।
- उच्च सेलेनियम युक्त क्षेत्रों में रहना।
- औद्योगिक क्षेत्रों में सेलेनियम युक्त धातुओं या रसायनों का संपर्क।

प्रमुख लक्षण: सेलेनियम टॉक्सिसिटी के कुछ सामान्य लक्षण इस प्रकार हैं- मितली, दस्त और उल्टी जैसी पेट संबंधी समस्याएं होना। बालों का पतला, कमजोर होकर झड़ना। ध्यान न देने पर गंजापन आना। नाखूनों में खराबी आना-टूटना, खुरदुरा होना, दरारें पड़ना, छिलना, टूटना, पूरा नाखून निकल जाना। त्वचा रूखी-बेजान, रैश या लालिमा, दाने, सूजन आना, जलन होना। मुंह से लहसुन जैसी गंध आना। बहुत ज्यादा थकान, कमजोरी और चिड़चिड़ापन का अनुभव होना। झनझनाहट, सिरदर्द, चक्कर आना और मानसिक भ्रम होना। सांस लेने में मुश्किल होना। गंभीर मामलों में अंगों का फेल होना और मृत्यु।

कैसे होता है डायग्नोसिस: डॉक्टर फिजिकल एग्जामिन करते हैं। ब्लड, यूरिन, बालों और नाखूनों के टेस्ट के जरिए सेलेनियम का स्तर मापा जाता है। लैब टेस्ट और इमेजिंग स्टडीज की जाती हैं।

क्या है उपचार: सेलेनियम विषाक्तता का उपचार उसके स्तर और लक्षणों की गंभीरता पर निर्भर करता है। सबसे जरूरी है सेलेनियम के स्रोत का तुरंत बंद करना यानी सेलेनियम का सेवन रोकना। हल्के मामलों में विषाक्तता को नियंत्रित करने के लिए सेलेनियम का सेवन रोकना और शारीरिक स्वास्थ्य की निगरानी करना पर्याप्त हो सकता है। सपोर्टिव केयर उल्टी, दस्त आने पर शरीर में पानी की कमी और कमजोरी दूर करने के लिए आईवी के जरिए पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स फ्लूइड्स दिए जाते हैं। गंभीर मामलों में, डॉक्टर रोगी को एंटीऑक्सिडेंट्स, विषैले पदार्थों को बाहर निकालने के लिए ड्रेनेज थेरेपी, चेलेशन थेरेपी, एक्टिवेटेड चारकोल, हीमोडायलिसिस जैसी थेरेपी से उपचार किया जाता है। इलाज के दौरान रक्त और मूत्र में सेलेनियम के स्तर की निगरानी की जाती है।

बचाव के उपाय: हालांकि यह खनिज हमारे शरीर के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन इसकी अधिकता स्वास्थ्य को नुकसान भी पहुंचा सकती है। इसलिए सेलेनियम युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन संतुलित मात्रा में करें। जहां तक हो सके, प्राकृतिक खाद्य स्रोतों से सेलेनियम प्राप्त करें। खाद्य पदार्थ खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता की जांच जरूर करें। उच्च सेलेनियम स्तर वाले खाद्य पदार्थों से बचें। सेलेनियम युक्त सप्लिमेंट्स केवल डॉक्टर की सलाह पर ही लें। सप्लिमेंट्स लेते समय लेबल जरूर पढ़ें। यदि सेलेनियम टॉक्सिसिटी के लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें। *

(सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली के सीनियर फिजिशियन-डॉ. एम. वली और डाइटिशियन डॉ. रचना कटारिया से बातचीत पर आधारित)

होनहारों ने अभिभावकों, शिक्षकों व इलाके का नाम स्वर्णिम अक्षरों में रेखांकित किया

आरपीएस के 10वीं के 1212 बच्चों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

संस्था ने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सीबीएसई बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम में आरपीएस संस्था के 10वीं कक्षा के 1212 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक एवं 12वीं कक्षा के 572 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

आरपीएस के कक्षा 10वीं में ध्रुव सिंगरोहा 99.60 प्रतिशत, गार्गी दलाल ने 99.40 प्रतिशत व रिशिका, अमीषी, वसुंधरा, वंदिता, सुहानी, लक्षिता ने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता का शिखर छुआ तो वहीं 12वीं कक्षा के अनुष्का रॉय व पर्व ने 99, हर्षिता यादव ने 98.8 प्रतिशत, पवन ने 98.6 प्रतिशत, वैष्णवी पाण्डेय 98.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी सर्वश्रेष्ठता की अमिट छाप छोड़ी। आरपीएस संस्था सीईओ इंजि. मनीष राव ने बताया कि कक्षा 10वीं के 8 विद्यार्थियों ने 99 प्रतिशत से अधिक, 77 विद्यार्थियों ने 98 प्रतिशत से अधिक, 169 विद्यार्थियों ने 97 प्रतिशत से अधिक, 284 विद्यार्थियों ने 96 प्रतिशत से अधिक, 434 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक एवं 1212 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर सीबीएसई बोर्ड के परीक्षा परिणामों में पूरे विश्व में आरपीएस की सर्वश्रेष्ठता की झलक बिखेरी तो, वहीं कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणामों में आरपीएस के 19 विद्यार्थियों ने 98 प्रतिशत से अधिक, 61 विद्यार्थियों ने 97 प्रतिशत से अधिक, 95 विद्यार्थियों ने 96 प्रतिशत से अधिक, 147 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक, 572 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर पूरे देश में अभिभावकों एवं शिक्षकों का नाम रोशन किया। उन्होंने कहा कि एकबार पुनः आरपीएस ग्रुप ने साबित कर दिखाया कि जेईई-आईआईटी, नीट-मेडिकल, एनडीए-एसएसबी, क्लैट, यूपीएससी, सीए, सीएस, ओलम्पियाड एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के अलावा सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में बेहतरीन परिणामों की खान है। आरपीएस शैक्षिक, सहशैक्षिक, खेलकूद, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाईड एवं सामाजिक सरोकार के कार्यों में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है।

चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने बताया कि कक्षा 10वीं के 302 विद्यार्थियों ने इंग्लिश, मैथ्स, सांईस, सामाजिक विज्ञान, संगीत, आईटी, एआई में 100/100 अंक प्राप्त किए तो वहीं कक्षा 12वी में भी 412 विद्यार्थियों ने इतिहास, बिजनेस स्टडिज, एकांउटेंसी, इकॉनोमिक्स, हिंदी, पेटिंग, फाईन आर्टस, पोलिटिकल सांईस, साइकोलाजी, भूगोल विभिन्न विषयों में 100 में से 100 अंक हासिल कर सर्वश्रेष्ठता का बेजोड़ व अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस परीक्षा परिणाम के मौके पर पर उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी। डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने बताया कि देश की बड़ी से बड़ी परीक्षा परिणामों में भी विद्यार्थियों को टॉप पर ले जाने के लिए सदा दृढ़ संकल्पित है।

उन्होंने मेधावी प्रतिभाओं ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों में हम्युनिटिज, कॉमर्स एवं सांईस स्ट्रीम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपना, अपने विद्यालय, अभिभावकों, शिक्षकों व इलाके का नाम स्वर्णिम अक्षरों में रेखांकित किया है। इस ऐतिहासिक एवं गौरवमयी मौके पर आरपीएस संस्था की सभी शाखाओं के प्राचार्य, उपप्राचार्य, डीन, विंग हैडस ने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की।

विजय इंटरनेशनल स्कूल का शत प्रतिशत रहा परिणाम

महेंद्रगढ़। गांव बलाना स्थित विजय इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय के प्राचार्य नत्थू सिंह ने बताया कि इस वर्ष विद्यालय से कुल 35 विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 29 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया, जबकि शेष सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने बताया कि मोनिका पुत्री रविंद्र सिंह ने विद्यालय में प्रथम, प्रिया पुत्री अजित सिंह द्वितीय और प्रिया पुत्री बलवंत सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने विषयवार भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। अंग्रेजी में 99 अंक, बायोलॉजी में 98 अंक, फिजिक्स में 97 अंक तथा गणित और केमिस्ट्री में 96 अंक प्राप्त कर यह सिद्ध किया कि कठिन परिश्रम और समर्पण से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय के चेयरमैन विजय यादव टूमना ने विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों तथा शिक्षकों को बधाई देते हुए विद्यार्थियों को भविष्य में भी निरंतर परिश्रम करते हुए ऊंचाइयों को छूने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर मुंह मीठा कराकर और देशभक्ति गीतों पर नृत्य कर उत्सवपूर्वक इस गौरवपूर्ण पल को मनाया।

अरावली स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

महेंद्रगढ़। परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़। सीबीएसई द्वारा घोषित बारहवी व दसवी कक्षा के परीक्षा परिणाम मे अरावली इंटरनेशनल स्कूल के विधार्थियो ने शानदार प्रदर्शन करके नया कीर्तिमान स्थापित किया है। स्कूल के संस्थापक अशोक कुमार यादव ने बताया कि विद्यालय के 28 विद्यार्थियो ने बोर्ड की मेधावी सूची मे अपना नाम दर्ज करवाया। अरावली स्कूल के बारहवी के परीक्षा परिणाम मे छात्र नितिन ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया व छात्रा कशिश ने 93.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा तथा सारिका ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। कक्षा दसवी में छात्रा कशिश ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, छात्रा तमन्ना ने 92.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा तथा कार्तिक व रुपाली ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। कक्षा दसवीं परीक्षा परिणाम में 47 विद्यार्थियों ने बोर्ड की मेधावी सूची मे अपना नाम दर्ज करवाया। स्कूल संस्थापक अशोक कुमार यादव व सीईओ महेश यादव ने बताया की इन विद्यार्थियों से अन्य विद्यार्थियों को आगे बढने की प्रेरणा लेनी चाहिए। होनहारों ने सभी छात्रो को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

सीबीएसई परिणामः राजवंशी ने लहराया परचम

नारनौल। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से घोषित 10वीं व 12वीं कक्षा परीक्षा परिणाम में राजवंशी स्कूल दौचाना का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। 10वीं व 12वीं कक्षा में विद्यालय के 28 विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से मेधावी सूची में नाम दर्ज करवाया। कक्षा 12वीं के छात्र आदित्य कुमार ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में टॉप किया। लव कुमार ने 94 प्रतिशत, रोहित ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया। वही भूमिका ने 87 प्रतिशत, प्रदीप ने 86, दीपेन्द्र ने 85, हंसमुख ने 84, आयुष ने 83, पूजा यादव ने 82, देवांशु ने 81, राहुल ने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। कक्षा 10वीं में छात्र विवेक ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में टॉप किया। वहीं ललित ने 92 प्रतिशत, चाहत ने 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया। इनके अलावा कशिश ने 87 प्रतिशत, मुस्कान ने 86, समीक्षा ने 85, केशव ने 83, अंकुर ने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। प्राचार्य दिनेश कुमार ने सफलता पर समस्त विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों तथा अध्यापको को बधाई दी। चेयरपर्सन रेणु कंवर ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

देवयानी इंटरनेशनल स्कूल परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए।

महेंद्रगढ़। देवयानी इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों का सीबीएसई बोर्ड का रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा। 10वीं कक्षा से विशु यादव ने 96.2 प्रतिशत, दीया कुमारी ने 95.8 प्रतिशत, जोया ने 94 प्रतिशत, नैंसी यादव ने 92.6 प्रतिशत, सारिका चौधरी ने 91.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। 10वीं कक्षा के एक तिहाई बच्चों ने 80 प्रतिशत अधिक अंक प्राप्त किए। वहीं 12वीं कक्षा में ईशा चौधरी, तनीष यादव, रीमा राव, प्रियंका यादव, प्रिंस राव ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर बेहतरीन प्रदर्शन किया। 12वीं कक्षा से भी एक तिहाई बच्चों ने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। प्राचार्य बलवान सिंह ने बताया कि अध्यापक के सही मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग तथा बच्चों की कड़ी मेहनत से ही इस मुकाम पर पहुंचा जा सकता है। विद्यालय में सभी बच्चों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर अध्यापक हरिकिशन, शैलेंद्र कुमार, मनीष कुमार, प्रदीप कुमार, प्रवीण कुमार, इंद्रजीत यादव सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

विद्या भारती स्कूल में सम्मान समारोह

नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर का 10वीं व 12वीं कक्षा का सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रांगण में बोर्ड परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव व वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने साफा, फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया। विद्यालय के प्राचार्य विनोद कुमार ने बताया कि 12वीं कक्षा कला वर्ग में विद्यालय की छात्रा मीनाक्षी पुत्री इंद्राज सिंह मोड़ी ने हिन्दी में 94, राजनीति विज्ञान में 96, भूगोल में 90 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। 12वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में मुस्कान पुत्री सुरेन्द्र बसीरपुर ने रसायन विज्ञान में 95, भौतिक विज्ञान में 92 अंक प्राप्त कर प्रथम, प्रिया पुत्री सुरेन्द्र सिंह नारेड़ी ने रसायन विज्ञान में 95, जीव विज्ञान में 91 अंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसी प्रकार अवनी पुत्री मुकेश नापला ने अंग्रेजी में 91, संगीत में 98 अंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। 10वीं कक्षा में हिमांशी पुत्री बलवीर सिंह मूसनौता ने विज्ञान में 96, संगीत में 92 अंक, प्रिया सोनी पुत्री बालगोविन्द सोनी बसई ने हिंदी में 96, सिद्धार्थ जांगिड़ पुत्र विकास जांगिड़ डाडा फतेहपुरा ने गणित में 94 अंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने इस सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम के लिए सभी अध्यापकों व विद्यार्थियों को बधाई दी। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव, उपप्राचार्य सपना मल्होत्रा, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी आदि मौजूद थे।

सरस्वती स्कूल के विद्यार्थियों ने निकाली तिरंगा रैली

नांगल चौधरी। सरस्वती स्कूल के विद्यार्थियों की तिरंगा रैली को रवाना करती प्राचार्या वंदना यादव।

नांगल चौधरी। सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्राचार्या वंदना यादव की अगुवाई में तिरंगा रैली निकाली। लोगों को एकजुटता तथा राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया। इस दौरान संस्था के एमडी अमित यादव ने दसवीं व बारहवीं कक्षा में टॉपर रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकजुटता और शिक्षा पर ही राष्ट्र का विकास निर्भर रहता है। शिक्षित नागरिक ही राष्ट्रसेवा और सुरक्षा में योगदान देने में सक्षम हो सकते हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को सामाजिक एकजुटता तथा पिछड़े वर्ग को शिक्षित करने में सहयोग करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि दसवीं व 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। 58 बच्चों ने 90 फीसदी से अधिक अंक लेकर रिकॉर्ड बनाया है। इसके बाद विद्यार्थियों की तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस मौके पर उप प्राचार्या रेखा यादव, यादराम, अशोक कुमार मौजूद रहे।

राव नेतराम स्कूल का परीक्षा परिणाम सराहनीय

नारनौल। सीबीएसई की ओर से घोषित 10वीं के परीक्षा परिणाम में राव नेतराम पब्लिक स्कूल सलीमपुर का परिणाम में शत प्रतिशत रहा। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्या अनिता देवी ने विद्यार्थियों, अभिभावकों व अध्यापकों बधाई देते हुए बताया कि कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में लक्ष्य पुत्र जितेन्द्र अटेली मण्डी व मुस्कान पुत्री रवि कुमार रामचन्द्रपुरा ने 93 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम, नम्रता पुत्री राकेश बोचड़िया ने 92 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय, प्राची पुत्र ललित धनौन्दा 91.4 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर प्रदीप, सतीश, मोनिका, सोनू, राजबाला, पूजा, सुमन, ज्योति, शुशीला, दीपक, समता, संजीव, सुरेखा आदि मौजूद थे।

सीबीएसई कक्षा 12वीं व 10वीं में इंडस वैली का परिणाम अव्वल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

सीबीएसई बोर्ड ने कक्षा 12वीं व 10वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया, जिसमें इंडस वैली पब्लिक स्कूल दौंगड़ा अहीर की 12वीं कक्षा की छात्रा प्रिया पुत्री मनोज कुमार खासपुर ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, ओनिक पुत्र बिल्लू खामपुरा 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय व अंशु पुत्री सुरेंद्र कोथल खुर्द, रीतिका पुत्री रविंद्र खामपुरा व लक्ष्य पुत्र संदीप डेरोली जाट ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य जयवीर यादव ने बताया कि कक्षा 12वीं में कुल 90 छात्रों में से 21 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। विषयवार अधिकतम अंक गणित विषय में 100, रसायन विज्ञान में 99, भौतिक विज्ञान में 97, जीव विज्ञान में 96, अंग्रेजी विषय में 95 एवं संगीत में 100 रहे। कक्षा 10वीं में भव्यांश पुत्र डॉ. तनुज जोशी डेरोली अहीर ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, अंजली पुत्री संजय अटेली मंडी 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय व कार्तिक पुत्र रामपाल कटकई ने 96.2 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय रहा। कक्षा 10वीं में कुल 107 छात्रों में से 90 प्रतिशत से अधिक 27 रहे। अधिकतम अंक गणित विषय में 100, विज्ञान में 100, हिन्दी विषय में 97, अंग्रेजी विषय में 96, सामाजिक विज्ञान में 97, संगीत में 97 व आईटी में 97 रहे। चेयरमैन धर्मेंद्र यादव ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र की संस्था होते हुए भी इस वर्ष भी हमने जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अलग पहचान बनाई है। चेयरमैन धर्मेंद्र यादव ने बच्चों, अभिभावकों व उनके गुरुजनों को सफलता को श्रेय दिया। उप चेयरमैन विजय सिंह यादव, निदेशक केसी यादव व उप प्राचार्य वीरसिंह यादव ने भी बच्चों व शिक्षकों को बधाई दी।

केएल मैमोरियल स्कूल कमेटी ने किया सम्मानित

नांगल चौधरी। केएल मैमोरियल स्कूल इस्लामपुर में प्राचार्य राजबीर सिंह की अध्यक्षता में मेधावी प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें संस्था के चेयरमैन सुभाषचंद ने 12वीं कक्षा में टॉपर रहे विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार तथा प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि प्रतिभा सभी विद्यार्थियों में होती है, लेकिन अधिकांश अभिभावक आंकलन नहीं कर पाते। बच्चों को उनकी रुची के विपरीत विषयों की पढ़ाई करवाते हैं, जिस कारण बच्चों का परीक्षा परिणाम उम्मीदों के अनुसार नहीं रहता। इसलिए स्कूली शिक्षकों को बच्चों की रुची पर विशेष फोकस करना अनिवार्य है। विद्यार्थियों की रुची को प्राथमिकता देने से स्कूल का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा है। 12वीं कक्षा के 48 विद्यार्थियों ने 90 फीसदी से अधिक अंक लेकर स्कूल व अभिभावकों का गौरव बढ़ाया है। मेधावी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रबंधन कमेटी ने सम्मान समारोह का आयोजन किया। जिसमें शिक्षा, खेल तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर हरदान सिंह, बिजेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, नितिन शर्मा, शशि कुमारी, योगेश, पिंटू खटाणा मौजूद रहे।

नारनौल। डीएवी स्कूल के विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

डीएवी स्कूल का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट

नारनौल। एमएलएस डीएवी पब्लिक स्कूल ने सीबीएसई कक्षा 10वीं व 12वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किया है। स्कूल प्राचार्य राजेश कुमार ने बताया कि बोर्ड परिणामों ने ये साबित कर दिया है कि स्कूल के बच्चे निरंतर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन निखारते जा रहे है। उन्होंने सभी छात्रों, अभिभावकों व शिक्षकगणों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि कक्षा 10वीं में कुल 237 छात्रों ने परीक्षा दी थी। जिसमें छात्रा खुशी ने 97.8 प्रतिशत, दीपांशी बंसल ने 96, सोनम ने 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। वहीं 12वीं कक्षा में कुल 238 छात्रों ने परीक्षा दी थी। जिसमें मेडिकल में छात्र सोनू ने 96.8 प्रतिशत, मानव ने 96.4 प्रतिशत, प्रवेश ने 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है।

वहीं नॉन मेडिकल में छात्र इशिका ने 96.8 प्रतिशत, प्रतीक्षा ने 92.8 व कुणाल ने 91.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। कला संकाय में कनक सोनी ने 95.6 प्रतिशत, अनिरूध ने 95.4, हिमांशी ने 95.2, हिमांशी ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है। कॉमर्स संकाय में देवेश गर्ग ने 96.4 प्रतिशत, गीतांजलि ने 94.2, पायल ने 89.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। परीक्षा परिणम घोषित होने पर स्कूल प्रबंधन ने सभी छात्रों और अभिभावकों को सम्मानित किया।

नेशनल मॉडल स्कूल का परिणाम रहा शानदार

महेंद्रगढ़। हरियाणा बोर्ड का 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित हुआ, जिसमें नेशनल मॉडल स्कूल का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। प्राचार्य ओमप्रकाश यादव ने बताया कि 12वीं कक्षा के सभी बच्चे उत्तीर्ण रहे। विद्यार्थी कृष यादव ने 470 अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 17 बच्चों ने मेरिट प्राप्त की। छात्रा पलक ने बायोलॉजी में 100 अंक प्राप्त किए। प्राचार्य ने इस श्रेष्ठ परिणाम के लिए विद्यार्थियों, अध्यापकों व अभिभावकों को शुभकामनाएं दी।

नारनौल। लॉर्ड कृष्णा स्कूल सिहमा में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

लॉर्ड कृष्णा स्कूल सिहमा में विद्यार्थियों को किया सम्मानित

नारनौल। लॉर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल सिहमा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा तथा बच्चों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। विद्यालय के 22 छात्रों ने 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। कक्षा दसवीं में 20 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए तथा 40 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। 12वीं कक्षा में प्रथम स्थान विज्ञान संकाय से 93 प्रतिशत अंक हितेश पुत्र सुरेश कुमार, वाणिज्य संकाय में साहिल पुत्र गजानन्द ने 87 प्रतिशत, कला संकाय में नेहा पुत्री नरेश कुमार ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा दसवीं में प्रथम स्थान पर वंशिका पुत्री हरेन्द्र सिंह ने 97 प्रतिशत, दूसरे स्थान पर रितिक पुत्र रविन्द्र ने 96 प्रतिशत तथा तीसरे स्थान पर करीना पुत्री अनुप 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। करीना पुत्री अनुप और रितिक पुत्र रविन्द्र ने गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। वंशिका पुत्री हरेन्द्र ने सामाजिक विज्ञान में 98 अंक प्राप्त कर पूरे जिले में टॉप किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धी पर विद्यालय के चेयरमैन पृथ्वी सिंह ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की व भविष्य में इसी तरह मेहन्त करने की प्रेरणा दी।

हरियाणा स्कूल ने परीक्षा परिणाम में लहराया परचम, खुशी की लहर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

नारनौल। हरियाणा स्कूल के विद्यार्थी व स्टाफ।

मोहल्ला चौधरीयान स्थित हरियाणा सीनियर सेकेण्डरी स्कूल का बारहवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। वाणिज्य संकाय के छात्र हिमांशु अग्रवाल ने जिले में द्वितीय टॉपर व विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय ने अपने स्वर्णिम इतिहास को दौहराते हुए एक बार फिर से हरियाणा शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में अपना परचम लहराया है। विद्यालय के 67 छात्रों में से 30 छात्रों ने मेरिट सूची में अपना नाम दर्ज करवाया। इस दौरान संस्था के चेयरमैन हितेन्द्र शर्मा ने कहा कि विद्यालय के कुल 67 छात्रों ने 12वीं की परीक्षा दी थी, जिसमें विद्यालय के 30 छात्रों ने राज्य स्तरीय मेरिट प्राप्त की है। वाणिज्य संकाय में हिमांशु अग्रवाल 477 अंक अंक लेकर प्रथम, वंशिका 452 अंक लेकर द्वितीय व कार्तिक भाटिया तथा हिमांशी बंसल ने 447 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। विज्ञान संकाय में धन्वी सैनी 453 अंक लेकर विद्यालय में प्रथम रही, जबकि मंथन शर्मा 410 अंक के साथ द्वितीय, प्रिया 404 अंक के साथ तृतीय स्थान पर रही। कला संकाय में गौरव सैनी 442 अंक लेकर प्रथम, तमन्ना सोनी 439 अंक लेकर द्वितीय, लक्ष्मी सैनी ने 436 अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय चेयरमैन हितेन्द्र शर्मा व निदेशिका संगीता शर्मा ने छात्रों को शुभकामनाएं दी।

बीपीएस की अक्षिता के 98.4 प्रतिशत अंक

नारनौल। सीबीएसई वार्षिक परीक्षा परिणाम में बीपीएस स्कूल कुलताजपुर रोड शानदार परीक्षा परिणाम के साथ नई बुलंदियों को छुआ व अपनी एक विषिष्ट पहचान बनाई। स्कूल प्रिंसिपल उदयभान राव ने बताया कि विद्यालय की होनहार छात्रा अक्षिता संघी ने 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे नारनौल क्षेत्र में कॉमर्स संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय वाइस चेयरमैन कमल संघी व सह-सचिव डॉ. कर्ण चौधरी ने छात्रा को नकद 21000 की राशि से सम्मानित किया गया। छात्रा दिव्या ने 97.8 प्रतिषत अंक के साथ द्वितीय, मेघा बंसल 96.8 प्रतिशत, तन्वी मित्तल 96.8 प्रतिशत व परी गोयल 96.8 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसी प्रकार कॉमर्स संकाय में युविका जैन 96.6, चिराग 96.6, नितेश 95 प्रतिशत अंक लेकर वरीयता सूची में उपस्थिति दर्ज की। 17 छात्र-छात्राओं के 90 प्रतिशत से अधिक अंक, 33 विद्यार्थियों के 80 प्रतिशत के अधिक अंक, 24 विद्यार्थियों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। विज्ञान संकाय में केशव अग्रवाल ने 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम व ख्वाइश ने 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 90 प्रतिशत से अधिक चार, 80 प्रतिशत से अधिक 11 व 70 प्रतिशत से अधिक 36 विद्यार्थियों ने अंक प्राप्त किए। कला संकाय में छात्रा शीतल ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कीर्तिमान बनाया व शेष विद्यार्थियों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। कक्षा दसवीं के परीक्षा परिणाम में अक्षत जैन ने 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, अनुष्का 96.2 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय व इशांत ने 95.8 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

इस मौके पर विद्यालय स्टाफ जेपी गर्ग, राजेश गोयल, अष्विनी कुमार, अशोक सैनी, नवीन जांगिड़, नवीन वर्मा, नीरज कुमार, नरेन्द्र सैनी, मिथिलेश यादव, पूजा यादव, अभिषेक आदि मौजूद रहे।

श्रीकृष्णा स्कूल सिहमा में सम्मान समारोह

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्णा स्कूल सिहमा में सीबीएसई के 10वीं व 12वीं के परीक्षा परिणामों में विद्यार्थियों श्रेष्ठ प्रर्दशन करने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव व अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. एसएस यादव द्वारा की गई। कार्डिनेटर सुशीला यादव ने बताया कि सीबीएसई बोर्ड घोषित श्रीकृष्णा स्कूल का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। स्कूल द्वारा अभिभावकों एवं बच्चों को मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया गया। नॉन मेडिकल संकाय में छात्रा तमन्ना पुत्री तेजेंद्र पाल निवासी डेरोली अहीर ने 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल टॉपर रही। वहीं वाणिज्य संकाय के हर्षिता पुत्री हनुमान प्रसाद ने बि ज ने स स्टडिज में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। ऑर्ट संकाय के हिंदी विषय में ललित पुत्र अनिल कुमार ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं अंग्रेजी विषय में नॉन मेडिकल संकाय के अंग्रेजी विषय में अंजली ने 94 प्रतिशत अंक व पुल्कित यादव पुत्र अशोक कुमार ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव ने कहा कि श्रीकृष्णा स्कूल ने एक बार फिर से सीबीएसई के परीक्षा परिणामों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत स्थिति को साबित किया है। प्राचार्य डॉ. एसएस यादव ने कहा कि श्रीकृष्णा ग्रुप आफ इंस्टीटूशन पिछले 25 वर्षों नये आयाम स्थापित करने के लिए जाना जाता है।

गुरु द्रोणाचार्य स्कूल ढाणी किरारोद का परीक्षा परिणाम सराहनीय

नारनौल। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की ओर से सीनियर सेकेंडरी परीक्षा का परिणाम घोषित किए गया। जिसमें गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी किरारोद के विद्यार्थियों ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राज्य स्तरीय मेरिट में स्थान प्राप्त करके विद्यालय, अपने गुरुजनों व माता पिता का नाम रोशन किया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष अजय कुमार ने बच्चों कि इस शानदार उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी व बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्राचार्य नेतराम सैनी ने बच्चों को बधाई दी। परीक्षा परिणाम में खुशबू ने 431 अंक, प्रिया 431, रवि 412, दीपांशु 409, विनय कुमार 406, कंचन 402, कुशल 402, अरविंद ने 401 अंक प्राप्त कर राज्य स्तरीय मेरिट में स्थान प्राप्त किया है। अंशिका 393, भूमिका 392, हिमांशी 391, प्रिया 391, अनूप 390, अंतिम 388, अजय 387, दिव्या 386, साहिल 385, पायल 382, अनीस 382, लोकेश ने 380 अंक लेकर जिला स्तरीय मेरिट में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है। इस मौके पर विद्यालय की मैनेजिंग डायरेक्टर पूजन सैनी, वाइस चेयरमैन कुलदीप सैनी, कमल सिंह, अंकित सैनी, हेमंत सैनी, कृष्ण कुमार, धर्मपाल, मनोज कुमार, प्रीतम सैनी, पूनम सैनी, सुनीता यादव, लक्ष्मी शर्मा, कविता चौधरी, निशा सैनी, मोना, पूजा, कोमल, विकास, मंजू, कल्पना आदि उपस्थित थे।

सूचना

मैं, देवेन्द्र पुत्र श्री रामौतार निवासी गांव बुचावास, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ बयान करता हूं कि मेरा पुत्र सुमित कुमार व पुत्रवधु शिवानी मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ग्राम पंचायत सराय बहादुर नगर खण्ड अटेली नांगल, जिला महेंद्रगढ़

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सराय बहादुर नगर के पारा उपलब्ध पुराने 2 इंची पाइप की नीलामी, पंचायती मोटर चालक व डोर टू डोर कचरा उठाने के लिए बोली दिनांक 17 मई 2025 शनिवार को प्रातः 10 बजे पंचायत घर मे बोली लगाई जाएगी। बोली छोडने पर बोलीदाता को पूरी राशि ग्राम पंचायत के पास जमा करवानी होगी। अन्य शर्तें मौके पर बता दी जाएगी।

सरपंच ग्राम पंचायत सराय बहादुर नगर

सरपंच ग्राम पंचायत, रघुनाथपुरा खण्ड नारनौल, जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत रघुनाथपुरा में प्रस्ताव नं. 01 दिनांक 30.04.2025 के तहत ANE इण्डस्ट्रीज लि. को रास्ता नं 66 को प्रयोग करने की एवज में फीस लगाने हेतु लिए गए फैसले पर दावा / आपत्ति दर्ज करवाने का समय दिनांक 10.05.2025 से 09.06.2025 तक सांय 05 बजे तक निश्चित किया गया है। उपरोक्त के संबंध में कोई भी ग्राम सभा सदस्य ग्राम पंचायत कार्यालय / खण्ड कार्यालय में दावा / आपत्ति निश्चित समयावधि के दौरान प्रस्तुत कर सकता है। नोटिस आमजन के अवलोकन हेतु ग्रामसभा क्षेत्र में आम स्थानों पर चस्पा किया गया है।

पिंकी कुमारी, सरपंच ग्राम पंचायत रघुनाथपुरा ब्लाक नारनौल

खबर संक्षेप

छात्रा दीक्षा

छात्रा ईशा

जीएल का बोर्ड परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

महेंद्रगढ़। कस्बा कनीना स्थित जीएल पब्लिक स्कूल का केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित दसवीं व बारहवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरके शर्मा बताया कि परीक्षा परिणाम में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। बारहवीं कक्षा से विद्यालय की छात्रा दीक्षा पुत्री देवेंद्र कुमार ने कला संकाय में 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर के पहला स्थान प्राप्त किया। इस छात्रा ने अंग्रेजी विषय में 96, हिन्दी 92, राजनीतिशास्त्र 96, इतिहास 96, भूगोल, 95, और संगीत में 95 अंक हासिल किए हैं। इसके साथ ही दसवीं कक्षा के परिणाम में निशांत पुत्र कालिया राम 90.4 प्रतिशत अंक, छवि पुत्री सतीश कुमार 92.2 प्रतिशत अंक और ईशा यादव पुत्री रमाकांत 97.8 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल व माता-पिता का नाम रोशन किया है। प्राचार्य ने सभी अध्यापकों का धन्यवाद किया।

ढैचा बीज पर प्रति एकड़ मिलेगी प्रोत्साहन राशि

नारनौल। ढैचा के बीज की बिजाई करने पर किसानों को सरकार की तरफ से एक हजार रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि के रूप में दिए जाएंगे। इस स्कीम का लाभ लेने के लिए किसान को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना होगा। इस स्कीम का लाभ पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। इसकी यह जानकारी देते हुए उप कृषि निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह ने बताया कि हरी खाद के लिए ढैचा का बीज सरकारी बीज केन्द्र से सब्सिडी पर नहीं मिलेगा। किसान स्वयं किसी भी सरकारी व गैर सरकारी बीज बिक्री केन्द्र से ढैचा का बीज खरीद कर उसका पक्का बिल अवश्य लें।

73 शिविरों द्वारा 4200 यूनिट से अधिक रक्त सरकारी ब्लड बैंक में जमा

- रक्तदान को समर्पित युवा साथी ग्रुप व उड़ान ट्रस्ट का अनुकरणीय कार्य
- जरूरतमंदों की सेवा को समर्पित, रक्तदान से लेकर पर्यावरण संरक्षण तक निभा रहे अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। टिंकू प्रधान व बिजेन्द्र यादव।

जिले में जन सेवा ही सबसे बड़ी सेवा के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए दो संस्थाएं युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा निःस्वार्थ भाव से समाज सेवा के कार्यों में जुटी हुई है। इन संस्थाओं ने अपने समर्पण और व्यापक गतिविधियों से न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि प्रदेशभर में एक मिसाल कायम की है। हजारों लोग इन संस्थाओं की नीतियों से प्रेरित होकर सेवा कार्यों में अपना योगदान दे रहे है। इन संस्थाओं की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक रक्तदान के क्षेत्र में उनका व्यापक कार्य है। अब तक 73 रक्तदान शिविरों के माध्यम से 4200 यूनिट से अधिक रक्त एकत्रित कर सरकारी ब्लड बैंक में जमा करवाया गया है। इसके अतिरिक्त आपातकालीन स्थितियों में देश के विभिन्न शहरों में 1800 से अधिक यूनिट रक्तदान किया है।

रक्तदान में अग्रणी, महिलाओं को भी किया प्रेरित

युवा साथी ग्रुप हरियाणा के सचिव टिंकू प्रधान ने बताया कि संस्था ने एक अनूठी पहल करते हुए हरियाणा में पहला केवल महिलाओं के लिए रक्तदान शिविर राजकीय महिला कॉलेज में विश्व रक्तदान दिवस पर आयोजित किया। यह कदम महिलाओं को रक्तदान के प्रति प्रोत्साहित करने और उनकी भागीदारी बढ़ाने में मील का पत्थर साबित हुआ है, जो दर्शाता है कि महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है।

युवाओं में खेल भावना जगा रही मासिक पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता

शहर में संस्था युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने तथा उनमें स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल कर रही है। संस्था की ओर से प्रत्येक माह नियमित रूप से पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस मासिक प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी उत्साहपूर्वक भाग लेते है और अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते है। प्रतियोगिता के विजेताओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। आयोजकों का मानना है कि इन पुरस्कारों से न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता है बल्कि उनमें अनुशासन, समर्पण और सच्ची खेल भावना भी विकसित होती है।

जीव जंतुओं व पर्यावरण के प्रति समर्पण

संस्थाएं न केवल मानव सेवा बल्कि जीव जंतुओं और पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी सजग है। गर्मी के मौसम में पशु पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने हेतु जिले में दो हजार से अधिक सकोरे वितरित किए गए है। इसके साथ ही छह हजार से अधिक सदस्यों की मदद से विभिन्न चिह्नित स्थानों पर जानवरों के लिए दाने का भी प्रबंध किया जाता है। जिसके लिए एटीएम अनाज वितरण मशीन भी लगाए गए है। पर्यावरण को स्वच्छ और हरा भरा रखने के उद्देश्य से समय समय पर टीम के सदस्यों की ओर से पौधारोपण भी किया जाता है।

रक्षाबंधन पर बहनों को तोहफा: निःशुल्क टैक्सी सेवा

उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के प्रधान बिरेन्द्र यादव ने बताया कि संस्था रक्षाबंधन के पावन पर्व पर एक सराहनीय पहल करती है। इस दिन बहनों को अपने भाइयों के घर आने जाने में सुविधा प्रदान करने के लिए शहर और आसपास के गांवों की महिलाओं के लिए निःशुल्क टैक्सी सेवा उपलब्ध कराई जाती है। यह प्रयास पिछले कई वर्षों से निरंतर जारी है और भाई बहन के इस पवित्र त्योहार की खुशियों को दोगुना करता है।

सावित्रीबाई फुले फिल्म को टैक्स फ्री करे प्रदेश सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- उनकी जीवनी पर आधारित पाठ्यक्रम हर विद्यालय और महाविद्यालय में पढ़ाया जाए

नारनौल। अमर सिंह निमहोरिया, प्राचार्य रावमावि दौंगड़ा अहीर।

सिनेमा में अपने मित्रों व स्वजनों के साथ देश की प्रथम महिला शिक्षिका, भारतीय नारी को धार्मिक अंधकारा से मुक्त कराने वाली, नारी और शूद्रों के लिए शिक्षा का अलख जगाने वाली क्रांति ज्योति माता सावित्रीबाई फुले की फिल्म देखने का सौभाग्य मिला। सेंसर बोर्ड की कैंची या ऊपरी दबाव से बहुत सारी सच्चाई दबा दी गई, वरना राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबा फुले व माता सावित्रीबाई फुले के महान सामाजिक क्रांति कार्य जो अनछुए रह गए उनको और प्रभावी ढंग से इस फिल्म में दर्शा कर फुले दंपति के बहुआयामी व्यक्तित्व को देश के सामने लाया जा सकता था, क्योंकि फुले दंपति के संपूर्ण व्यक्तित्व को दो घंटे की फिल्म में नहीं दर्शाया जा सकता। फिल्म दो घंटे की बजाय तीन घंटे की भी हो सकती थी, लेकिन फिर भी फिल्म निर्देशक अनंत नारायण महादेवन के प्रयास बहुत स्तुत्य हैं। यह बात प्राचार्य रावमावि दौंगड़ा अहीर एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अचीवर्स फाउंडेशन फॉर सोशियो इकोनोमिक इंपावरमेंट अमर सिंह निमहोरिया ने कही। उन्होंने कहा कि बहुत अच्छी और प्रेरणा देने वाली फिल्म का निर्माण किया है। इस फिल्म को हर भारतीय को अपने परिवार सहित अवश्य देखना चाहिए। निर्देशक को इस फिल्म के निर्माण, निर्देशन और रिलीज करवाने में ऐड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ा। बहुत सारी विषय वस्तु, संवाद व दृश्य जिनके माध्यम से तत्कालीन शासकों और धर्माचार्यों की क्रूरता तथा बर्बरता लोगों के सामने आनी चाहिए थी वो नहीं आने दी गई। तथाकथित वर्चस्ववादियों ने धमकी दी की इस फिल्म को रिलीज नहीं होने देंगे। और आलम यह है कि ये फिल्म आज भी देश के कुछ एक चुनिंदा सिनेमा घरों में ही दिखाई जा रही है। 11 मई को अपने मित्रों के साथ सिनेमा हाल में फिल्म देखी। उस दिन संयोग यह हुआ कि उसी दिन महाराज गायकवाड़ ने फुले दंपति के क्रांति कार्यों से प्रभावित होकर ज्योतिबा फुले को महात्मा की उपाधि से सम्मानित किया था। दूसरी ऑपरेशन सिंदूर की कमान वीरांगना बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी व वीरांगना बेटी विंग कमांडर व्योमिका सिंह सभ्रवाल ने संभाली।

शिक्षिकाओं का सपना साकार हुआ

उन्होंने कहा कि ये सब फुले दंपति की ओर से समस्त भारतीय नारी की मुक्ति, उसकी शिक्षा, समानता, स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों के लिए किए गए संघर्षों की तैयार पृष्ठभूमि और बाबासाहेब अम्बेडकर की ओर से निर्मित संविधान में दिए गए भारतीय नारी के अधिकारों के संरक्षण का सुपरिणाम है। सन 1848 सावित्रीबाई फुले व फातिमा शेख की साक्षात प्रतिमूर्ति सन 2025 कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सभ्रवाल में दिखाई दी। उन दोनों महान शिक्षिकाओं का ऐतिहासिक सपना साकार हुआ। सबसे अच्छी बात यह हुई कि देश में धार्मिक कट्टरवाद, जातिवादी और असहिष्णुता फैलाने वाले अंधभक्तों के मुंह पर करारा तमाचा लगा। आज भारत सरकार और विशेषकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से आग्रह करते है कि फुले दंपति के बहुआयामी व्यक्तित्व पर बनी इस फिल्म को टैक्स फ्री किया जाए। साथ ही भारत सरकार से पुरजोर अपील करते है कि राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबा फुले व माता सावित्रीबाई फुले को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। उनकी जीवनी पर आधारित पाठ्यक्रम हर विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में पढ़ाया जाए। उनके नाम से आईआईटी, एम्स और विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए, ताकि भावी पीढ़ियां अपने सुंदर भविष्य का निर्माण कर सकें।

बीआर ज्ञानदीप का परीक्षा परिणाम शानदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करते हुए। फोटो: हरिभूमि

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से घोषित सीनियर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम में बीआर ज्ञानदीप सुरजनवास की छात्रा किरण पुत्री संजय ने 93.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कीर्तिमान स्थापित किया हैं। वही सेकेंडरी परीक्षा परिणाम में पारुल पुत्री भगत सिंह ने 94.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसी के साथ प्रकृति पुत्री विपुल ने 93.8 प्रतिशत, खुशबू पुत्री बालकिशन और खुशबू पुत्री सुमेर ने 93.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया। प्राचार्य रामवीर यादव ने बताया कि सीबीएसई की ओर से सीनियर सेकेंडरी और सेकेंडरी परीक्षा परिणाम में विद्यालय की छात्रा किरण और पारुल ने विद्यालय और अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया। उन्होंने बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में रसायन विज्ञान विषय में 98, गणित विषय में 97, संगीत विषय में 100 अधिकतम अंक रहे और 10वीं परीक्षा परिणाम में गणित विषय में 100, विज्ञान में 97, सामाजिक विज्ञान में 97, हिंदी में 96 अधिकतम अंक रहे। संस्थापक राम सिंह यादव ने सराहनीय परीक्षा परिणाम के लिए सभी अध्यापक और बच्चों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह परीक्षा परिणाम विषय अध्यापकों के अथक प्रयास और छात्रों की कड़ी मेहनत का ही नतीजा हैं। उन्होंने बच्चों को इसी प्रकार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मॉडर्न स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा

महेंद्रगढ़। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली द्वारा 10वीं व 12वीं कक्षा का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। मॉडर्न स्कूल की दोनों परीक्षाओं का वार्षिक परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। प्राचार्य अनिल कुमार ने बताया कि हमारे स्कूल के 46 विद्यार्थियों ने 10वीं की परीक्षा दी थी, जिसमें चार ने 90 प्रतिशत से अधिक और सात ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। 17 वने दसवीं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। 41 विद्यार्थियों ने दसवीं में 50 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। 12वीं की परीक्षा 47 विद्यार्थियों ने दी थी, जिसमें से एक ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक व आठ ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक और 24 ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। कक्षा 12वीं में 47 विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। 10वीं में सर्वाधिक अंक खुशबू पुत्री रामकिशन 481/500 (96.2 प्रतिशत), हर्ष पुत्र नरबीर 467/500 (93.4), नेहा पुत्री बिजेंद्र 466/500 (93.2 प्रतिशत) अंक प्राप्त किए। कक्षा 12वीं में कला संकाय में सर्वाधिक अंक प्रियंका पुत्री नरेश कुमार ने 461/500 (92.2 प्रतिशत), वाणिज्य संकाय में सर्वाधिक अंक पंकज पुत्र रामनिवास 442/500(88.4 प्रतिशत, विज्ञान संकाय में सर्वाधिक अंक योगिता पुत्र अनिल कुमार 435/500(87प्रतिशत) प्राप्त किए। निदेशक राजकुमार यादव, हवा सिंह यादव ने विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार से पुरस्कृत किया। निदेशक राजकुमार यादव ने बताया कि हमारे विद्यालय का जो परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत आया हैं। इस अवसर पर प्रबंधन समिति सदस्य मनोज कुमार, नवीन कुमार, अध्यापक राकेश कुमार, राम सिंह, हेतराम, हेमंत कुमार, अध्यापिका शकुन्त शहरावत उपस्थित रहे।

एमआर स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित

नारनौल। सीबीएसई बोर्ड की ओर से घोषित 10वीं व 12वीं कक्षाओं के परीक्षा परिणाम में एमआर स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय के 43 विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा तथा 37 विद्यार्थियों ने दसवीं कक्षा में मेरिट लेकर अपना नाम ऊंचा किया। विद्यालय में इन प्रतिभावान विद्यार्थियों के सम्मान स्वरूप समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय प्रबंधन ने सभी अध्यापकों, विद्यार्थियों व स्टाफ की उपस्थिति में संपन्न करवाया। समारोह में उन विद्यार्थियों को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जिन्होंने अथक प्रयासों से अधिक से अधिक अंक लेकर अन्य विद्यार्थियों को पीछे छोड़ने का प्रयास किया।

विद्यार्थियों को पगड़ी पहनाकर हौसला बढ़ाया

उन्होंने सम्मान स्वरूप उत्कृष्ट विद्यार्थियों को पगड़ी पहनाकर तथा फूलमालाओं से हौसला बढ़ाया। विद्यालय के चेयरमैन सियाराम यादव ने सभी विद्यार्थियों अभिभावकों व अध्यापकों की प्रशंसा की। विज्ञान संकाय के नॉन मेडिकल की छात्रा विजेता ने 96.8 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम, मेडिकल की छात्रा संगम 94.02 प्रतिशत अंक लेकर अपने संकाय में पहले स्थान पर रही। कॉमर्स की छात्रा पलक ने 96.6 अंक हासिल कर सबको पीछे छोड़ा। इसी प्रकार कला संकाय में छात्रा मुस्कान 92.6 प्रतिशत अंक लेकर अपनी कक्षा में प्रथम रही। 12वीं के विद्यार्थियों में अंक लेने की होड़ बनी रही। दसवीं के परिणाम में पलक ने 96.6 प्रतिशत लेकर पहला, तनु यादव ने 94.02 प्रतिशत के साथ दूसरा, कीर्ति ने 94 प्रतिशत के साथ तीसरा स्थान पाया। दोनों कक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लेने वाले विद्यार्थियों में भी मुकाबला रहा और विद्यालय के 17 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर अपनी कुशाग्रता का परिचय दिया।

नांगल दर्गू स्कूल का परिणाम सराहनीय: कैलाश यादव

नारनौल। नांगल दर्गू में स्थित पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्या कैलाश यादव ने बताया कि मधु पुत्री संजय ने 471 अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। माया पुत्री बलवंत सिंह ने 453 अंक लेकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रीना पुत्री महेंद्र सिंह ने 438 अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। कैलाश यादव ने बच्चों की कड़ी मेहनत और सच्ची लग्न से पढ़ाई करने का परिणाम बताया। प्राचार्या यादव ने इस परिणाम का श्रेय विद्यालय के अनुभवी शिक्षकों को उनकी सच्ची निष्ठा व कड़ी मेहनत तथा ईमानदारी से कार्य करने की सराहना की। विद्यालय प्रबंधन कमेटी व अभिभावकों तथा बच्चों को बधाई दी।

यदुवंशी नारनौल ने फिर रचा सीबीएसई परीक्षा में कीर्तिमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। यदुवंशी स्कूल के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

यदुवंशी शिक्षा निकेतन ने कक्षा 10वीं व 12वीं की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के परिणामों में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। संस्था के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को प्रमाणित किया है।

कक्षा 12वीं में कॉमर्स संकाय से हिमांशु चोयल पुत्र रमेश कुमार, निशांत पुत्र देशराज ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से टॉपर बने। इसी प्रकार गणित विषय में गौरव पुत्र सुरेंद्र सिंह, नमन पुत्र श्री पिन कुमार ने 100 में 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। अन्य टॉपर्स में आर्ट्स से नेहा 96.2 प्रतिशत, पायल गोयल 95.2, कुमकुम 94.6, मेडिकल से नरेन्द्र प्रताप 95.0, भव्या जैन 94.4, नॉन मेडिकल से जतिन 94 प्रतिशत प्रमुख हैं। इसी प्रकार कक्षा 10वीं के परिणाम में कशिश पुत्री विनोद कुमार ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। गणित विषय में कुल 12 विद्यार्थियों ने 100 में 100 अंक प्राप्त कर मिसाल कायम की। जिनमें कनिका, कुलदीप, अनमोल बंसल, गम्या, अनन्या, प्रवेश, इशांत डागर, हिमांशु यादव, दुष्यंत शामिल हैं। विद्यालय के कुल प्रदर्शन की बात करें तो कक्षा 12वीं में 90 प्रतिशत व उससे अधिक अंक लाने वाले छात्रों की संख्या 44, 85 प्रतिशत व उससे अधिक 101, 80 प्रतिशत व उससे अधिक 178, 75 प्रतिशत व उससे अधिक 254 छात्र रहे। वहीं कक्षा 10वीं में 95 प्रतिशत व उससे अधिक 28 छात्र, 90 प्रतिशत व उससे अधिक 101, 85 प्रतिशत व उससे अधिक 171, 80 प्रतिशत व उससे अधिक 216, 75 प्रतिशत व उससे अधिक 264 छात्रों ने परसेंटेज प्राप्त किए।

विद्यालय के चेयरमैन राव बहादुर सिंह, निदेशिका सुरेश यादव, प्राचार्य डॉ. अनंत शर्मा, उपप्रधानाचार्य नरेश यादव ने सभी विद्यार्थियों को सफलता के लिए बधाई दी।

बसपा नेता अतरलाल की अटेली न्याय यात्रा जारी

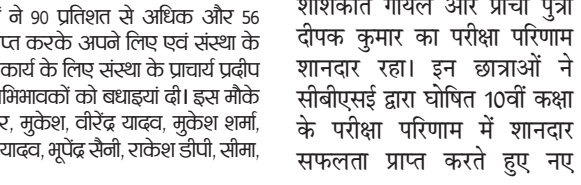

नारनौल। अटेली विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करने, विकास कार्य, बिजली, नहरी पानी तथा नौकरियों का समान बंटवारा करने की मांग को लेकर बसपा नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल की ओर से निकाली जा रही अटेली न्याय यात्रा बुधवार को रामबास, पड़तल, भोजावास, कपूरी, ककराला, मड़फ गांवों में पहुंची। सभी गांवों में यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए अतरलाल ने राज्य सरकार पर विकास कार्यों, बिजली, नहरी पानी तथा नौकरियों में भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि न्याय यात्रा का उद्देश्य इस भेदभाव को उजागर कर हलके के हकों तथा मांगों के लिए आवाज बुलंद करना और सरकार पर मांगों को पूरा करने के लिए दबाव बनाना है। उन्होंने 16 मई को कनीना स्टेशन पर आयोजित की जा रही महापंचायत के लिए ग्रामीणों को न्यौता दिया। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस ट्रेनों का कनीना रेलवे स्टेशन पर ठहराव न होने के कारण इलाका वासियों में भारी रोष व्याप्त है। इसलिए केन्द्रीय रेलवे मंत्री डीआरएम बीकानेर मंडल से मांग है कि तत्काल दिन में आने वाली एक्सप्रेस गाड़ी दिल्ली बीकानेर, दिल्ली जोधपुर, दिल्ली सीकर और रात को आने वाली एक्सप्रेस गाड़ियां दिल्ली जोधपुर, दिल्ली बीकानेर का ठहराव कनीना खास रेलवे स्टेशन पर तत्काल किया जाए। यात्रा में पदमेन्द्र जांगड़ा, अंगनाराम, बनवारी, जगदीश प्रसाद, हरीश बडगुजर, होशियार सिंह, सुन्दरलाल, अशोक कुमार, ठेकेदार सतबीर जांगड़ा, पूर्व सरपंच बनवारीलाल, वेदप्रकाश जांगड़ा, दलीप सिंह, कर्मबीर, सूबेदार गुमान सिंह, किरणपाल, शेरसिंह, बलराज, हर्षित मौजूद थे।

बीआर स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

महेंद्रगढ़। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से घोषित कक्षा 10 वीं के परीक्षा परिणामों में बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेहलंग के विद्यार्थियों ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का परचम फहराया है। विद्यालय की छात्रा दिव्या पुत्री बीरेंद्र ने 93.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, वशिष्ठा पुत्री दिनेश ने 92 प्रतिशत अंक के साथ दूसरा व प्रियांशी पुत्री जयपाल ने 91.2 प्रतिशत अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के अलावा भी कई अन्य विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं। इनमें सुमित पुत्र अमरसिंह 90.8 प्रतिशत, मुस्कान पुत्री रवि कुमार 90.6 प्रतिशत, नीरज पुत्र वेदप्रकाश 87.6 प्रतिशत, हिमांशी पुत्री पवन 87.6 प्रतिशत, खुशबू पुत्री बलराज 87.2 प्रतिशत, प्राची पुत्री धनराज 87 प्रतिशत, जियश पुत्र राम मोहन वशिष्ठ 85.2 प्रतिशत, साक्षी पुत्री अशोक 83.6 प्रतिशत, दुष्यंत पुत्र अजीत सिंह 83.4 प्रतिशत, यश पुत्र मुकेश 83.2 प्रतिशत, प्राची पुत्र संजय 81.6 प्रतिशत तथा शुभम पुत्र संदीप 80.2 प्रतिशत शामिल हैं। सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं, जो कि विद्यालय के लिए गौरव की बात है।

आरआरसीएम का सराहनीय रहा परीक्षा परिणाम

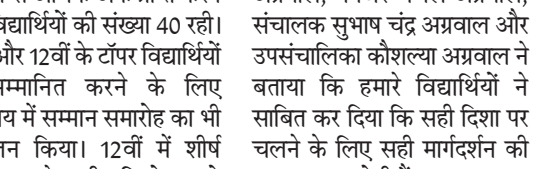

महेंद्रगढ़। कनीना स्थित आरआरसीएम में सीबीएसई द्वारा घोषित दसवीं व 12वीं के परीक्षा परिणामों में प्रतिभा का लोहा मनाने वाले विद्यार्थियों को संस्थान ने सम्मानित किया। 12 वीं में विज्ञान वर्ग में हर्षिता पुत्री राकेश कुमार ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त करके विद्यालय का नाम रोशन किया है। विज्ञान वर्ग में विषय रसायन शास्त्र व भौतिक विज्ञान में हर्षिता ने 98 प्रतिशत व 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए तथा अंग्रेजी में पूजा ने 91 प्रतिशत, हार्दिक ने 91 प्रतिशत, गणित में हर्षिता के 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। म्यूजिक में दस ने शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए। कला वर्ग में खुशी पुत्री कमल सिंह ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कला वर्ग में खुशी ने हिंदी में शत प्रतिशत व इतिहास में 97 प्रतिशत, भूगोल में 95 प्रतिशत, तमन्ना ने राजनीति विज्ञान में 97 प्रतिशत व अंशुल ने शारीरिक शिक्षा में 91 प्रतिशत अंक, कला वर्ग में खुशी ने संगीत विषय में शत प्रतिशत अंक, वाणिज्य वर्ग में छात्रा तन्नु पुत्री राजपाल ने मुख्य चार विषयों में विद्यालय स्तर पर 75 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। बाणिज्य वर्ग में अर्थशास्त्र में तमन्ना ने 97 प्रतिशत, अकाउन्टेन्सी में तन्नु ने 94 प्रतिशत व बिजनेस स्टडी में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। 10 वी में निधि पुत्री राजेन्द्र निवासी कोटिया ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्रा अंशिता पुत्री नितिन ने 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय स्तर पर दूसरा, निधि ने अंग्रेजी में 98 प्रतिशत, संगीत में 97 प्रतिशत, अंकित ने गणित में शत प्रतिशत, निशा ने सामाजिक विज्ञान में 99 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। संस्था चेयरमैन राव रोशन लाल नवविद्यालय के निदेशक विपुल राव व प्राचार्य हरिप्रकाश शर्मा ने बच्चों को सफलता पर सराहा।

मॉडर्न स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित

महेंद्रगढ़। मॉडर्न स्कूल महेंद्रगढ़ का परीक्षा परिणाम बेहतरीन रहा। इस अवसर पर संस्था के निदेशक हुकम सिंह तंवर ने विद्यार्थियों एवं समस्त अध्यापकों को बधाइयां दी और इसी प्रकार कड़ी मेहनत एवं लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संस्था के डीन रामनिवास चौहान ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और बताया कि विद्यालय में परीक्षा के छात्रों की संख्या को देखते हुए जो कामयाबी हासिल की है यह पूरे महेंद्रगढ़ जिले के लिए गौरव की बात है। मॉडर्न स्कूल के चेयरमैन सतन ने बताया कि हमारे विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए है। 14 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक और 56 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करके अपने लिए एवं संस्था के लिए सराहनीय कार्य किया। इस सराहनीय कार्य के लिए संस्था के प्राचार्य प्रदीप तंवर ने भी समस्त विद्यार्थियों एवं समस्त अभिभावकों को बधाइयां दी। इस मौके पर राजेंद्र शर्मा, जेएस लांबा, मानसिंह तंवर, मुकेश, वीरेंद्र यादव, मुकेश शर्मा, कृष्ण कुमार, विनोद यादव, शीला शर्मा, रीना यादव, भूपेंद्र सैनी, राकेश डीपी, सीमा, सुमन यादव आदि मौजूद थे।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणामों पर परिजनों ने जताई खुशी

हैप्पी स्कूल की छात्रा अविका, जीविका व प्राची ने किया टॉप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की होनहार छात्रा अविका पुत्री प्रदीप चौहान, जीविका पुत्री शशिकांत गोयल और प्राची पुत्री दीपक कुमार का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। इन छात्राओं ने सीबीएसई द्वारा घोषित 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में शानदार सफलता प्राप्त करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विंग प्रभारी ईश्वर सिंह ने बताया कि स्कूल का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। छात्रा अविका 98.4 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम, जीविका ने 98.2 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय व छात्रा प्राची ने 98 प्रतिशत अंक लेकर तीसरे स्थान पर रही। इसके अलावा गणित विषय में अविका, साक्षी और नमन मित्तल ने 100, संगीत में गरिमा, सक्षम, यश, वंशिका ने 100, समाजिक विज्ञान विषय में अभिषेक, दिव्या, प्राची, खुशी, हिमेश ने 99, विज्ञान विषय में प्राची और अक्षु ने 99, अंग्रेजी विषय में कीर्ति 96 और हिंदी विषय में जीविका, दीया, कीर्ति ने 98 अंक हासिल किए। संगीत विषय में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 140, हिंदी विषय में 90, अंग्रेजी और गणित में 50, सामाजिक विज्ञान में 75 और विज्ञान विषय में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 40 रही। 10वीं और 12वीं के टॉपर विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए विद्यालय में सम्मान समारोह का भी आयोजन किया। 12वीं में शीर्ष स्थान पर रहने वाली सृष्टि गोयल को 11 हजार, टीशा अग्रवाल व सिद्धि गोयल को प्रबंधन समिति ने 5100 पुरस्कार स्वरूप दिए। प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, मैनेजर चंचल अग्रवाल, संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल और उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल ने बताया कि हमारे विद्यार्थियों ने साबित कर दिया कि सही दिशा पर चलने के लिए सही मार्गदर्शन की आवश्यकता होती हैं।